RNI-UPHIN/2009/30721

**दिल्ली**
अधिकतम तापमान 35 डिग्री
न्युनतम तापमान 26 डिग्री

**एनसीआर**
अधिकतम तापमान 35 डिग्री
न्युनतम तापमान 25 डिग्री

शुक्रवार 19 सितंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06:07 बजे
सूर्यास्त सांय 18:24 बजे

www.khabariya.com

# एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 "जहाँ विज्ञान चूक जाता है, वहाँ टिटहरी पहले चेताती है"

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 335 | गाजियाबाद, शुक्रवार 19 सितंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
BHIM UPI
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

# ग्रेटर नोएडा दौरे पर रहेंगे सीएम ट्रेड शो की तैयारियों का लेंगे जायजा

✷एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को मथुरा, गौतमबुद्धनगर और गाजियाबाद के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान उनका कार्यक्रम बेहद व्यश्त रहेगा।

खासकर ग्रेटर नोएडा में वे इंडिया एक्सपो मार्ट पहुंचकर आगामी अंतरराष्ट्रीय ट्रेड शो की तैयारियों का जायजा लेंगे। मुख्यमंत्री का कार्यक्रम सुबह 9:30 बजे लखनऊ स्थित 5 कालिदास मार्ग से शुरू होगा। वे अमौसी एयरपोर्ट से राजकीय विमान द्वारा आगरा के लिए रवाना होंगे और वहां से हेलीकॉप्टर द्वारा मथुरा के दीनदयाल धाम फराह पहुंचेंगे। यहां 11:15 बजे से 12:15 बजे तक वे पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव में आयोजित विराट युवा सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

इसके बाद मुख्यमंत्री योगी हेलीकॉप्टर से दोपहर 1:25 बजे गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा पहुंचेंगे। यहां से वे कार द्वारा 1:40 बजे इंडिया एक्सपो मार्ट रवाना होंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार 1:45 से 2:45 बजे तक मुख्यमंत्री ट्रेड शो की तैयारियों की समीक्षा करेंगे।

गौरतलब है कि 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले इस ट्रेड शो का तीसरा संस्करण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटित किए जाने की संभावना है।

यही कारण है कि मुख्यमंत्री योगी खुद तैयारियों का मुआयना करेंगे और अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। ट्रेड शो के बाद मुख्यमंत्री 2:45 बजे गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के हेलीपैड से गाजियाबाद के लिए रवाना होंगे। 3 बजे वे गाजियाबाद पहुंचेंगे, जहां दीनदयाल उपाध्याय ऑडीटोरियम में "विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश" कार्यक्रम और "भारतवर्ष की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी" पुश्तक का विमोचन करेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का ठहराव शाम 6:30 बजे तक रहेगा। इसके बाद वे हिंडन एयरपोर्ट से लखनऊ के लिए उड़ान भरेंगे और वापस 5 कालिदास मार्ग, लखनऊ पहुंचेंगे। सुरक्षा को लेकर प्रशासन और पुलिस ने पुख्ता इंतजाम किए हैं।

मुख्यमंत्री को जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त है और उनके साथ एनएसजी कमांडो की टीम भी मौजूद रहेगी। अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देशित किया गया है कि मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान किसी भी श्तर पर लापरवाही न हो।

## वनतारा के खिलाफ जल संसाधन और कार्बन क्रेडिट के दुरुपयोग के आरोप खारिज : आधिकारिक बयान

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने वनतारा पर लगे जल संसाधनों और कार्बन क्रेडिट के दुरुपयोग के आरोपों को 'पूरी तरह से निराधार' करार दिया है।

प्राणी बचाव एवं पुनर्वास केंद्र वनतारा ने एक आधिकारिक बयान जारी कर यह जानकारी दी। शीर्ष अदालत के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ ने सोमवार को एसआईटी की उस रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया जिसमें कहा गया है कि गुजरात के जामनगर में स्थित वनतारा के संचालन में किसी तरह का कोई कानूनी उल्लंघन नहीं पाया गया है।

बयान में कहा गया है कि एसआईटी ने 'रिलायंस फाउंडेशन' द्वारा संचालित वनतारा को सभी प्रमुख आरोपों से मुक्त कर दिया, जिसमें यह दावा भी शामिल है कि वह 'कार्बन क्रेडिट' से लाभ कमाने के लिए जानवरों का अधिग्रहण कर रहा था। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि जंगली जानवरों के बचाव, आवास या रखरखाव के लिए कार्बन क्रेडिट प्रदान करने वाला कोई मान्यता प्राप्त घरेलू या अंतरराष्ट्रीय ढांचा नहीं है। वनतारा ने कहा, ''केंद्र के संचालन और वित्त पोषण से संबंधित एसआईटी की विश्तृत समीक्षा ने पुष्टि की कि जल संसाधनों और 'कार्बन क्रेडिट' के दुरुपयोग के आरोप पूरी तरह से निराधार थे जिनका कोई तथ्यात्मक या कानूनी आधार नहीं था, और ऐसा प्रतीत होता है कि वे ध्यान आकर्षित करने के लिए बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए थे।'' इसमें कहा गया है, ''वनतारा ने न तो ऐसे किसी क्रेडिट के लिए आवेदन किया है।

## चुनावी प्रक्रिया को नष्ट करने में निर्वाचन आयोग संलिप्त : प्रियंका

✷ वेबवार्ता. वायनाड (केरल) ✷। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग चुनावी प्रक्रिया को नष्ट करने में संलिप्त है। उन्होंने लोगों से राहुल गांधी का संवाददाता सम्मेलन देखने का आग्रह किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि लोगों को लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए एकजुट होना चाहिए। प्रियंका गांधी ने संवाददताओं से कहा, ''सभी लोगों का उनका संवाददाता सम्मेलन देखना चाहिए और यह समझना चाहिए कि हमारे देश में क्या हो रहा है और कैसे निर्वाचन आयोग हमारे देश में चुनावी प्रक्रिया को नष्ट करने में संलिप्त है।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''हम सभी को लोकतंत्र के लिए लड़ने की ज़रूरत है। हमें संविधान के लिए लड़ने की ज़रूरत है, हमें अपने देश के लिए लड़ने की ज़रूरत है।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उनकी पार्टी के समर्थक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने के प्रयास हुए और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार 'लोकतंत्र की हत्या करने वालों' तथा 'वोट चोरों' की रक्षा कर रहे हैं।

## अपहरण मामले में तमिलनाडु के विधायक को अग्रिम जमानत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु की के. वी. कुप्पम विधानसभा सीट से विधायक ''पूवई'' जगन मूर्ति को एक कथित अपहरण मामले में बृहस्पतिवार को अग्रिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने 30 जून को दिए गए अपने आदेश को अंतिम आदेश घोषित करते हुए विधायक की याचिका का निपटारा कर दिया। पीठ मूर्ति की उस अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के आदेश को चुनौती दी थी।

## ईडी ने फेमा के तहत बी सी जिंदल समूह के खिलाफ छापेमारी की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को विदेशी मुद्रा विनिमय कानून के उल्लंघन के आरोप में बी सी जिंदल समूह की कंपनियों के खिलाफ छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत दिल्ली-एनसीआर और हैदराबाद में स्थित समूह के निदेशकों और अधिकारियों के कम से कम 13 परिसरों की तलाशी ली जा रही है। सूत्रों ने बताया कि ईडी कंपनी की शाखाओं जैसे जिंदल इंडिया थर्मल पावर लिमिटेड और जिंदल इंडिया पावरटेक लिमिटेड, द्वारा विदेशी निवेश और अपनी विदेशी संस्थाओं में धन जमा करने के लिए संदिग्ध फेमा उल्लंघनों की जांच कर रहा है। ईडी की कार्रवाई पर टिप्पणी के लिए कंपनी से तुरंत संपर्क नहीं किया जा सका। इस कारोबारी समूह का वार्षिक कारोबार 18,000 करोड़ रुपये से अधिक है और यह बिजली क्षेत्र की एक प्रमुख कंपनी है।

## यूरोपीय संघ ने भारत के साथ रणनीतिक संबंधों के लिए नया एजेंडा पेश किया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। यूरोपीय संघ (ईयू) ने रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों में भारत के साथ अपने संबंधों को विश्तार देने के लिए बुधवार को एक नया रणनीतिक एजेंडा पेश किया। इस बीच 27 देशों वाले इस समूह के विदेश और सुरक्षा नीति मामलों की प्रमुख काजा कल्लास ने कहा कि भारत के सैन्य अभ्यास और रूसी तेल की खरीद ''घनिष्ठ संबंधों के राश्ते में बाधा बन रहे हैं।'' ईयू ने कहा कि बदलती भू-राजनीतिक वाश्तविकताओं के मद्देनजर भारत के साथ उसकी घनिष्ठ साझेदारी तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है और दोनों पक्षों के लिए आर्थिक विकास और सुरक्षा को मजबूत करना जरूरी है।

## इलियास कश्मीरी ने खोली पाकिस्तानी सेना की पोल

**कहा-मुनीर के कहने पर आतंकियों के जनाजे में आई थी सेना**

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी के एक ऑनलाइन वीडियो में किए गए दावों ने एक बार फिर विवाद खड़ा कर दिया है। कश्मीरी ने कहा है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख असिम मुनिर ने देश के शीर्ष सैन्य अधिकारियों को भारत के ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में शामिल होने का आदेश दिया था। वीडियो में इलियास कहता है, मुनीर ने शहीदों का सम्मान करने और उन्हें सलामी देने का आदेश दिया। कॉर्प्स कमांडरों को जनाजा के साथ-साथ वर्दी में उसकी हिफाजत करने के लिए कहा गया।' यह दावा पाकिस्तान की ओर से पहले से की जा रही खारिजों और अंतरराष्ट्रीय असंतोष के बीच सामने आया है। मई में आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में सेना अधिकारियों की उपस्थिति की तस्वीरें सार्वजनिक हुई थीं। उस समय इस तरह की उपस्थिति और इशारों पर पाकिस्तान सरकार ने ऐतराज जताया था।

## हमें पहले से पता था, अपने हितों की रक्षा को तैयार हैं

- **पाकिस्तान और सऊदी के समझौते पर भारत की दो टूक**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** हाल ही में पाकिस्तान और सऊदी अरब ने एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत दोनों में से किसी एक देश पर आक्रमण को दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। अब इस समझौते पर भारत की प्रतिक्रिया सामने आई है। भारत ने साफ शब्दों में कहा है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए तैयार है और इस समझौते से पड़ने वाले प्रभाव को लेकर अध्ययन किया जाएगा।

विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक मीडिया प्रश्न के जवाब में कहा कि भारत सरकार ने इस समझौते से संबंधित खबरों को देखा है और इसे गंभीरता से ले रही है।

# राहुल का वोट चोरी वार बीजेपी-ईसी का पलटवार

- **वोट चोरी पर राहुल गांधी का नया हमला अब दलितों और पिछड़ों पर खेला दांव**

**18 महीने में 18 चिट्ठी लिखी फिर भी ईसी मौन**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि पूरे देश में कांग्रेस को वोट देने वाले मतदाताओं के नाम जानबूझकर सूची से हटाये जा रहे हैं और यह काम स्वचलित, विकेंद्रीकृत और बहुत रणनीतिक तरीके से पूरे देश में किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार वोट चोरों को संरक्षन दे रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने सीईसी पर देश के लोकतंत्र को तबाह करने वाले लोगों को बचाने का आरोप लगाया और कहा कि जब शिकायत की जाती है तो उसकी कोई सुनवाई नहीं होती। गांधी ने कहा कि इससे साफ है कि ज्ञानेश कुमार आरोपियों को बचा रहे हैं और वोट चोरी की कार्रवाई को संरक्षण दे रहे हैं। उन्होंने कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां किसी ने 6,018 वोट डिलीट करने की कोशिश की। हमें नहीं पता कि 2023 के चुनाव में कुल कितने वोट डिलीट किए गए, लेकिन यह संख्या 6,018 से कहीं ज्यादा है।

## 90 चुनाव हार चुके, कोर्ट में भी मुंह की खानी पड़ी

**राहुल के आरोपों पर भाजपा ने किया पलटवार**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा लगाए गए वोट चोरी के नए आरोपों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पलटवार किया है। भाजपा ने कहा कि राहुल गांधी जब-जब इन आरोपों को लेकर कोर्ट पहुंचे हैं तब-तब उन्हें मुंह की खानी पड़ी। राहुल के आरोपों पर जवाब देते हुए भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि उन्हें कभी माफी मांगनी पड़ी को कभी कोर्ट की लताड़ खानी पड़ी। ठाकुर ने कहा, राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस लगभग 90 चुनाव हार चुकी है। उनकी हताशा दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। उन्होंने आरोपों की राजनीति को अपना आभूषण बना लिया है। गलत और निराधार आरोप लगाना राहुल गांधी की आदत बन गई है। माफी मांगना और अदालतों से फटकार खाना राहुल गांधी की दिनचर्या बन गई है। भाजपा के अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए कहा कि 'राहुल गांधी भारत में बांग्लादेश और नेपाल जैसे हालात पैदा करना चाहते हैं।' ठाकुर ने राहुल गांधी पर अपना हमला तेज करते हुए कहा कि वह इस बात से निराश हैं कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस 90 चुनाव हार चुकी है और अब 'निराधार और गलत आरोप' लगा रहे हैं।

## वोट ऑनलाइन डिलीट नहीं होता, मौका मिलता है

**राहुल गांधी के आरोपों पर चुनाव आयोग का जवाब**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राहुल गांधी की ओर से लगाए आरोपों पर चुनाव आयोग की ओर से जवाब दिया गया है। आयोग ने कहा कि किसी भी वोटर को ऑनलाइन डिलीट नहीं किया जा सकता। इलेक्शन कमीशन ने कहा कि राहुल गांधी के सारे आरोप आधारहीन और गलत हैं। चुनाव आयोग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि वोट काटने से पहले पक्ष रखने का मौका मिलता है। आयोग ने कहा कि यदि किसी का नाम डिलीट हुआ तो फिर डीएम और सीईओ के पास शिकायत भेजनी होती है। दरअसल राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि अनजान नंबरों से वोट डिलीट किए गए हैं। राहुल गांधी ने कर्नाटक की आलंद सीट का उदाहरण देते हुए कहा था कि एक नंबर का इस्तेमाल करते हुए 10 से 12 नंबर डिलीट हुए। वहीं चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि कोई भी व्यक्ति किसी का नाम वोटर लिस्ट से हटाया नहीं जा सकता। आयोग के सूत्रों का कहना है कि जल्दी ही कांग्रेस के आरोपों का जवाब देने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की जाएगी।

## दिशा पाटनी के घर गोली चलाने वाला दूसरा

# फर्जी एनकाउंटर में अरुण को मार दिया: भाई

**नोएडा , एजेंसी।** अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर फायरिंग के मामले में गाजियाबाद में हुए एनकाउंटर पर सवाल उठ गए हैं। नोएडा एसटीएफ के एनकाउंटर में मारे गए अरुण के भाई ने दावा किया है कि मुठभेड़ फर्जी और निर्दोष को मार दिया गया। अंकुर का दावा है कि फायरिंग करने वाले बाइक सवार दोनों बदमाशों में कोई उसका भाई नहीं है। अंकुर ने कहा कि हेलमेट पहने दिखा शख्स उसका भाई नहीं है, क्योंकि उसका भाई शुगर की बीमारी के कारण पीला पड़ा हुआ था और वह कमजोर हो चुका है।

बाइक चलाने वाला लड़का सांवला नजर आ रहा है। अंकुर ने कहा कि एनकाउंटर के बाद भी उसके भाई का शरीर पीला देखा जा सकता है। उसने कहा कि बाइक पर पीछे बैठा हुआ युवक का चेहरा क्लियर है, वह भी उसका भाई नहीं है। अंकुर के अलावा उसके माता-पिता ने भी एनकाउंटर पर सवाल खड़े किए हैं। अंकुर ने कहा कि उसके भाई पर किसी के साथ मारपीट तक का केस नहीं था और उस पर 1 लाख का इनाम भी दिखाया गया है।

12 सितंबर की सुबह लगभग 3¬45 पर बरेली के सिविल लाइंस क्षेत्र में अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर के बाहर बाइक सवार दो अज्ञात हमलावरों ने अंधाधुंध फायरिंग की थी। इस दौरान करीब 8 से 10 राउंड गोलियां चलाई गईं। घटना के समय दिशा पाटनी मुंबई में थीं जबकि घर पर उनके पिता जगदीश सिंह पाटनी (रिटायर्ड डीएसपी), मां पद्मा पाटनी और बहन खुशबू पाटनी मौजूद थीं। गोलीबारी के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद आरोपियों की पहचान सुनिश्चित करने का दावा किया। पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने ट्रॉनिका सिटी क्षेत्र में इस एनकाउंटर को अंजाम दिया। एसटीएफ के अनुसार मारे गए आरोपियों की पहचान रोहतक निवासी रविंद्र और सोनीपत निवासी अरुण के रूप में हुई है।

## छत्तीसगढ़ के बीजापुर में हुई मुठभेड़

**बीजापुर, एजेंसी।** छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में सुरक्षाबल और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है। इस बीच बीजापुर जिले में बुधवार को सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए। जिले के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र के जंगल में दोपहर करीब 3 बजे उस समय मुठभेड़ शुरू हुई जब सुरक्षाकर्मियों का एक दल नक्सल विरोधी अभियान पर निकला था। मुठभेड़ वाले इलाके से अब तक दो नक्सलियों के शव बरामद किए जा चुके हैं। लॉन्चर (बीजीएल), विस्फोटक सामग्री और अन्य माओवादी-संबंधी सामान बरामद किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है और इसके खत्म होने के बाद और जानकारी साझा की जाएगी। इस ताजा कार्रवाई के साथ, इस साल अब तक छत्तीसगढ़ में अलग-अलग मुठभेड़ों में 246 नक्सली मारे जा चुके हैं। इनमें से 217 नक्सली बस्तर संभाग (जिसमें सात जिले शामिल हैं) में मारे गए, जबकि 27 अन्य नक्सली रायपुर संभाग के गरियाबंद जिले में मारे गए हैं। दुर्ग संभाग के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में दो अन्य नक्सली मारे गए। पुलिस ने बताया कि 11 सितंबर को राज्य के गरियाबंद जिले में हुई एक मुठभेड़ में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के एक केंद्रीय समिति सदस्य (सीसीएम) मॉडम बालकृष्ण समेत दस नक्सली मारे गए।

### ताइक्वांडो विजेताओं को दिए प्रशस्ति पत्र

✷ **एनसीआर टुडे. नजीबाबाद** ✷। राजा चरत सिंह इंटर कॉलेज साहनपुर में गुरुवार को प्रार्थना स्थल पर ताइक्वांडो प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रधानाचार्य द्वारा प्रशशित पत्र देकर उत्साहवर्धन किया गया। इन खिलाड़ियों ने जिला श्तर पर आयोजित ताइक्वांडो प्रतियोगिता में भाग लिया था। प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार ने कहा कि अधिक से अधिक विद्यार्थियों को खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेना चाहिए। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए खेल जरूरी हैं। प्रधानाचार्य ने विद्यालय क्रीड़ाधिकारी योगाचार्य अरुण राजपूत की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से विद्यालय के विद्यार्थी निरंतर ताइक्वांडो, योग, क्रिकेट, कबड्डी सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में मुकाम हासिल कर रहे हैं। इस अवसर पर सुरेंद्र कुमार, अरुण दीक्षित, राजेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार, रामबली, प्रमोद कुमारी, हरिदेव सरोज, रजनीश सागर, शाजिया खान, अरविंद कुमार, दिव्यांजलि आदि मौजूद रहे।

### होम्योपैथी आइकन बनी डॉ ज्योति चौधरी

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷। लखनऊ में आयोजित 10वीं राष्ट्रीय होम्योपैथिक कॉन्फ्रेंस में नहटौर की होम्योपैथिक डॉ ज्योति चौधरी को होम्योपैथिक आइकन अवार्ड 2025 के रूप में सम्मानित किया। कॉन्फ्रेंस में मुख्य अतिथि महिला आयोग की सदस्य रही। 13 से 14 सितंबर को आयोजित होम्योपैथिक कॉन्फ्रेंस में होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति को लेकर विश्तृत चर्चा की गयी। डॉ ज्योति चौधरी को सम्मानित करने पर हर्ष जताया है।

### कृष्ण जन्मोत्सव प्रसंग पर झूमे श्रद्धालु जरीफपुर चतर में सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷। श्रीमद् भागवत कथा में भगवान श्री कृष्ण के जन्म उत्सव को मनाया गया। कथा व्यास वर्षा गौड़ ने कहा कि जब धर्म की हानि और अधर्म का विकास होता है। तब धर्म रक्षा के लिए प्रभु अवतरित होते है। जरीफपुर चतर में सात दिवसीय कथा में पूजन कार्यक्रम के मुख्य यजमान ओमपाल सिंह, बृजेश देवी, सुंदर सिंह, अग्रेशा देवी, कोमल सिंह बबली देवी रहें। कथा समाप्ति पर महाआरती आयोजित हुई। इस अवसर पर ब्रह्मपाल सिंह प्रधान जी, नेपाल सिंह, धर्मेंद्र सिंह, कल्लू सिंह, दीपक सिंह, पंकज, मोहित ओमपाल सिंह, अतुल कुमार, विनीत कटारिया, मनीता रानी, सौरभ चौधरी, मोनी देवी, मलखान सिंह, रविंद्र सिंह, नरेश कुमार, अमलदेव, नत्थू, राहुल कुमार, नृपेंद्र कुमार, हर्ष, परी, सत्यम आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे।

### पैथोलॉजी लैब का विधायक ओमकुमार ने फीता काटकर किया शुभारंभ

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷। पीएचसी परिसर में बनाई गई ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट में संचालित पैथोलॉजी लैब का बुधवार को विधायक ओमकुमार ने फीता काटकर व परिसर में पौधारोपण कर शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनकी मांग पर स्वास्थ्य मंत्री ने यूनिट में 26 लाख रुपए की लागत से सेल काउंटर मशीन व बायो केमिस्ट्री मशीन लगवाई हैं। इनसे क्षेत्र के लोगों को निशुल्क चिकित्सीय जांच सुविधाओं का लाभ मिलेगा। इसके बाद उन्होंने सीएचसी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीएचसी में भर्ती मरीजों से स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। साथ ही उन्हें फल वितरित किया। अंत में सभी ने एएनएम प्रशिक्षण केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संबोधन सुना।

# कर्नाटक में भी शुरू होने वाला है एसआईआर

● मांगे जाएंगे ये दस्तावेज ● दिल्ली में भी तैयारी शुरू

**बेंगलुरु , एजेंसी।** बिहार के बाद समूचे भारत में एसआईआर यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारी कर्नाटक में भी है। खबर है कि इसे लेकर राज्य निर्वाचन आयोग स्तर पर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। हालांकि, कहा जा रहा है कि भारत निर्वाचन आयोग की तरफ से हरी झंडी मिलने के बाद ही प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि ईसीआई 2025 के अंत तक देशभर में एसआईआर शुरू कर सकता है। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी वी अंबुकुमार ने कहा है कि एसआईआर की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग से औपचारिक निर्देश मिलने के बाद ही राज्य में प्रक्रिया शुरू की जाएगी। कर्नाटक में 2002 की मतदाता सूची के आधार पर रिवीजन होगा। इस दौरान सूची में बाद में शामिल हुए लोगों से दस्तावेज मांगे जाएंगे। इस दौरान दस्तावेज आयुवर्ग से हिसाब से होंगे। 1987 से

पहले जन्म लेने वालों को 12 में से एक दस्तावेज पेश करना होगा, जहां आधार कार्ड को सिर्फ आईडी प्रूफ माना जाएगा। 1987 से 2004 के बीच पैदा हुए लोगों को दो दस्तावेज पेश करने होंगे। इनमें एक खुद की जन्मतिथि और एक माता-पिता की होगी। अगर पैरेंट में से कोई एक विदेशी नागरिक है, तो पासपोर्ट और वीजा डिटेल देनी होगी। राजधानी में निर्वाचन आयोग ने प्रक्रिया के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं और अब 2002 की मतदाता सूची में जिनके नाम दर्ज नहीं है उन्हें अपने पहचान पत्र प्रस्तुत करने होंगे। हालांकि एसआईआर शुरू होने की तारीखों की घोषणा बाद में की जाएगी। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने भी इस प्रक्रिया की तैयारियां शुरू कर दी हैं। बयान में कहा गया कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) नियुक्त किए गए हैं। सभी संबंधित अधिकारियों - जिला निर्वाचन अधिकारियों, निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों, सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों और बीएलओ - को प्रशिक्षण दिया गया है। सीईओ कार्यालय ने लोगों से अपने और अपने माता-पिता के नामों की पुष्टि के लिए 2002 की मतदाता सूची देखने का अनुरोध किया है। बिहार में 2003 के बाद पहली बार मतदाता सूची की एसआईआर हुई जिसने एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य लोगों को उनके मताधिकार से वंचित करना है और निर्वाचन आयोग का कहना है कि एसआईआर का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल हों और कोई भी अपात्र मतदाता इसमें शामिल न हो।

## कर्नाटक में कांग्रेस पर ही लगे वोट चोरी के आरोप

**बेंगलुरु, एजेंसी।** कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगा रहे हैं। इस बीच कांग्रेस शासित राज्य से ही कुछ इसी तरह का मामला सामने आया है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने मंगलवार को 2023 के विधानसभा चुनाव में मालूर सीट पर कांग्रेस विधायक के. वाई. नंजेगौड़ा की जीत को अमान्य घोषित कर दिया। अदालत ने मतगणना प्रक्रिया में गड़बड़ियों का हवाला देते हुए वोटों की पुनर्गणना का आदेश दिया है। यह फैसला भाजपा प्रत्याशी केएस मंजीनाथ गौड़ा की याचिका पर आया है, जिन्होंने मई 2023 के चुनाव में नंजेगौड़ा से सिर्फ 248 वोटों से हार का सामना किया था।

हाईकोर्ट ने कहा कि मतगणना प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की गंभीर जांच जरूरी है। जिला चुनाव अधिकारी ने मतगणना की वीडियो रिकॉर्डिंग अदालत में पेश नहीं की थी। अदालत ने 4 हफ्तों के भीतर पुनर्गणना का आदेश दिया, हालांकि आदेश को 30 दिन तक स्थगित रखा गया है ताकि नंजेगौड़ा सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकें।

मालूर विधानसभा सीट कर्नाटक की कोलार लोकसभा सीट के तहत आती है, जो अनुसूचित जाति आरक्षित है। 2023 चुनाव में कांग्रेस के नंजेगौड़ा को 29.4 प्रतिशत वोट, भाजपा के मंजीनाथ गौड़ा को 29.26 प्रतिशत वोट, निर्दलीय हुड्डी विजयकुमार को 28.48 प्रतिशत वोट और जेडीएस को केवल 10.17 प्रतिशत वोट मिले। अब तक मालूर में जीतने वाले प्रत्याशी को हमेशा 40 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिलते रहे हैं, लेकिन 2023 में तीन दावेदारों ने सीट को त्रिकोणीय बना दिया।

हाईकोर्ट के फैसले से नंजेगौड़ा को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस खेमे में उनकी पहचान कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (नंदिनी ब्रांड) के संभावित अध्यक्ष के रूप में की जा रही थी। भाजपा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि उसने मालूर चुनाव में वोट चोरी की है। भाजपा विधायक दल के नेता आर. अशोक ने कहा - यह कांग्रेस पर सीधा आरोप है। अब क्या राहुल गांधी नंजेगौड़ा के खिलाफ 'वोट चोरी यात्रा' निकालेंगे?

## गाजियाबाद के इस इलाके में दूर होगा जाम, दिल्ली आने-जाने वालों को होती है दिक्कत

**गाजियाबाद , एजेंसी।** राजनगर एक्सटेंशन से जाम की समस्या दूर करने की तैयारी की जा रही है। यहां के जोनल प्लान की आउटर रिंग रोड को अब 60 मीटर चौड़ी बनाया जाएगा। पहले यह 45 मीटर चौड़ी प्रस्तावित थी।

राजनगर एक्सटेंशन में 65 सोसाइटी हैं, जिनमें डेढ़ लाख से अधिक आबादी रहती हैं। साथ ही एलिवेटेड रोड के जरिये दिल्ली जाने वाले ज्यादातर वाहन राजनगर एक्सटेंशन से ही होकर गुजरते हैं। इसमें मुख्य रूप से मुरादनगर, मोदीनगर और मेरठ से आने वाले वाहन शामिल हैं। इस कारण राजनगर एक्सटेंशन में सुबह शाम

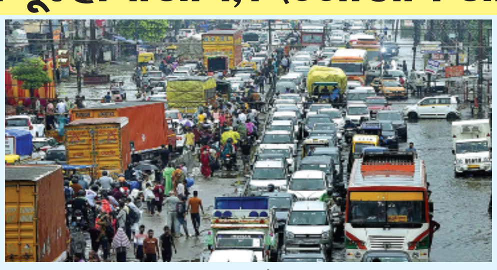

जाम की समस्या बनी रहती है। इसे दूर करने के लिए जीडीए यहां के जोनल प्लान की आउट रिंग रोड व अन्य मार्गों को विकसित करने में जुटा है। इसमें मुख्य रूप से राजनगर एक्सटेंशन के गोल चक्कर से बंधा रोड, सिटी फॉरेस्ट होते हुए लगभग तीन किलोमीटर व उससे लगी सात किलो मीटर की आउटर रिंग रोड को आने वाले समय में 45 मीटर की जगह 60 मीटर चौड़ी की जाएगी। इसका सर्वे हो चुका है, जिसकी रिपोर्ट अगले एक सप्ताह तक तैयार हो जाएगी। इस मार्ग के चौड़ा होने से वाहन चालकों को फायदा होगा। साथ ही जाम की समस्या भी दूर होगी। वहीं, हरनंदीपुरम योजना को भी इसका फायदा मिलेगा। यहां की सड़कों को विकसित करने के लिए नगरीय अवस्थापना निधि से करीब 60 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

### एक ही बाइक पर थे सवार

# गाजियाबाद में फ्लाईओवर से नीचे गिरे 4 लड़के

**गाजियाबाद , एजेंसी।** गाजियाबाद में कोतवाली थानाक्षेत्र के जस्सिपुरा फ्लाईओवर से बुधवार देर रात बाइक सवार चार युवक नीचे गिर गए। हादसे के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चारों युवकों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। चारों की हालत गंभीर बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, कैलाभट्टा के चार युवक एक बाइक पर सवा होकर घंटाघर की तरफ से जा रहे थे। अचानक से उनकी बाइक अनियंत्रित हुई और वह साइड के डिवाइडर से जाकर टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक फ्लाईओवर पर ही रह गई और उसपर सवार चारों युवक फ्लाईओवर से नीचे जाकर गिर गए। इनके फ्लाईओवर से नीचे गिरते ही हड़कंप मच गया। वहां लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई।

लोगों ने इन घायल युवकों को उठाया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुची पुलिस ने इन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उनका इलाज चल रहा है। एसीपी कोतवाली रितेश त्रिपाठी ने बताया कि प्राथमिक जांच में सामने आया है कि बाइक को किसी वाहन ने टक्कर नहीं मारी थी। वह खुद ही अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई थी। हो सकता है कि बाइक के ब्रेक न ले हो या संतुलन बिगड़ा हो। वहीं, मामले की जांच की जा रही है। इन युवकों ने हेलमेट पहना था या नहीं, इस बारे में पुलिस को भी कोई जानकारी नहीं है।

# कांग्रेस का बिहार में सीडब्ल्यूसी दांव

### राहुल की यात्रा के बाद पटना में महाजुटान

**नई दिल्ली/पटना, एजेंसी।** लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की बिहार में वोटर अधिकार यात्रा से गदगद कांग्रेस अब पटना में अपनी वर्किंग कमेटी की बड़ी बैठक करने जा रही है। अगले हफ्ते बुधवार यानी 24 सितंबर को पटना में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्लयूसी) की बैठक बुलाई गई है, जिसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत पार्टी के कई बड़े नेता शामिल होंगे। इसे तेलंगाना की तर्ज पर सीडब्लयूसी दांव कहा जा रहा है। 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने वहां भी इसी तरह की बड़ी बैठक की थी। इससे पार्टी को वहां लाभ मिला था और लंबे समय बाद सत्ता में वापसी कर सकी। यह बैठक खुद को केंद्र में रखने की एक बड़ी कोशिश है। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में कार्यमिति की इस विस्तारित

बैठक में वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पर चर्चा की जाएगी। इसमें वोट चोरी और मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर समेत राज्य के अन्य मुद्दों पर फोकस होगा। राहुल गांधी की यात्रा भी एसआईआर पर केंद्रित थी। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक को राज्य में अपने कार्यकर्ताओं में उत्साह भरने के रूप में देखा जा रहा है। इसके अलावा पार्टी की कोशिश है कि चुनावों से पहले की अहम राजनीतिक लड़ाई में जनता तक गंभीर संदेश पहुंचाया जाए कि पार्टी उनके हक और हुकूक के लिए खड़ी है और लड़ाई लड़ने को तैयार है। कांग्रेस की यह बैठक ऐसे समय में होने जा रही है, जब राजद की तरफ से सीएम उम्मीदवार तेजस्वी यादव राज्य भर में 10 दिनों की अधिकार यात्रा कर रहे हैं। इससे पहले वह राहुल के साथ भी वोटर अधिकार यात्रा में शामिल थे। दूसरी तरफ, आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस ने अपने संभावित उम्मीदवारों के नामों पर मंथन शुरू कर दिया है। इसी सिलसिले में गुरुवार (18 सितंबर) को पटना में कांग्रेस की प्रदेश इलेक्शन कमिटी की पहली बैठक बुलाई गई है। यह बैठक पार्टी की आगामी रणनीति, संभावित उम्मीदवारों के चयन और स्क्रीनिंग प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है। बैठक में कमिटी के 39 सदस्य साथ ही सभी सांसद, विधायक, विधान पार्षद, कांग्रेस के बिहार सचिव, कार्यसमिति के सदस्य और पार्टी के फ्रंटल संगठनों के प्रमुख भी शामिल होंगे।

# गोवा का भूतिया एयरपोर्ट, वीडियो में युवक का सनसनीखेज दावा, दिल्ली से उठा ले गई पुलिस

**पणजी, एजेंसी।** गोवा पुलिस ने दिल्ली में एक विशेष अभियान चलाकर अक्षय वशिष्ठ नाम के युवक को गिरफ्तार किया है। उसने अपने फेसबुक चैनल रियल टॉक क्लिप्स पर गोवा का हॉन्टेड एयरपोर्ट टाइटल से एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में मोपा के मनोहर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बारे में झूठी और भ्रामक जानकारी दी गई थी। उसने इसे भूतिया जगह करार दिया था।

पुलिस के अनुसार, यह मामला तब सामने आया जब पणजी में पुलिस मुख्यालय की सोशल मीडिया निगरानी सेल के कॉन्स्टेबल सूरज शिरोडकर ने इस पोस्ट को चिह्नित किया। शिरोडकर की शिकायत में कहा गया कि वशिष्ठ के

वीडियो में झूठी, दुर्भावनापूर्ण और अंधविश्वासी बातें शामिल थीं, जो जनता में डर और भय पैदा करने में सक्षम थीं और इसका उद्देश्य उसके चैनल को बढ़ावा देना था। शिकायत के आधार पर, 15 सितंबर को मोपा हवाई अड्डा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। तकनीकी निगरानी के माध्यम से पुलिस को पता चला कि आरोपी दिल्ली में रहता है। इसके बाद, पुलिस इंस्पेक्टर नारायण चिमुलकर के मार्गदर्शन और निगरानी में एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम में पुलिस उप-निरीक्षक विराज सावंत और कॉन्स्टेबल रविचंद्र बंदीवडकर शामिल थे, जो आरोपी को पकड़ने के लिए दिल्ली रवाना हुए। पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार पर अक्षय वशिष्ठ को दिल्ली के द्वारका क्षेत्र से ट्रेस किया। बुधवार शाम को उसे मोपा हवाई अड्डा पुलिस स्टेशन लाया गया, जहां उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि इस पूरी कार्रवाई को गोवा पुलिस ने बेहद सावधानी और तत्परता के साथ अंजाम दिया।

# केरल में ब्रेन ईटिंग अमीबा का कहर, अब तक 19 की मौत

### क्या है ये दुर्लभ बीमारी?

**तिरुवनंतपुरम, एजेंसी।** केरल में दुर्लभ और घातक मस्तिष्क संक्रमण 'अमीबिक मेनिन्जोएन्सेफलाइटिस' से मौतों का सिलसिला लगातार जारी है। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, राज्य में अब तक इस बीमारी की वजह से 19 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से कई मौतें पिछले कुछ हफ्तों के भीतर हुई हैं, जिससे लोगों की चिंता बढ़ गई है। स्वास्थ्य अधिकारी प्राइमरी अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस के मामलों में वृद्धि के बाद सतर्क हो गए हैं। यह एक मस्तिष्क संक्रमण है जिसकी मृत्यु दर बहुत अधिक है। यह संक्रमण नेग्लेरिया फाउलेरी के कारण होता है, जिसे आमतौर पर दिमाग खाने वाला अमीबा कहा जाता है। इस वर्ष,

केरल में इस दुर्लभ बीमारी के 61 मामले पुष्ट हो चुके हैं। इनमें 19 मरीजों की मौत हो चुकी है। यह एक दुर्लभ बीमारी है जो आमतौर पर अमीबा युक्त तालाब में नहाने वाले 26 लाख लोगों में से केवल एक को ही संक्रमित करती है। केरल के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि जुलाई से ''मस्तिष्क ज्वर'' के मामलों में वृद्धि को देखते हुए राज्य के उत्तरी ज़िलों में कुओं और तालाबों के क्लोरीनीकरण सहित सफाई अभियान चलाया जा रहा है। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा है कि केरल एक गंभीर जन स्वास्थ्य चुनौती से जूझ रहा है। पहले कोझिकोड और मलप्पुरम जैसे ज़िलों में क्लस्टर से जुड़े संक्रमण अब पूरे राज्य में छिटपुट रूप से दिखाई दे रहे हैं। मंत्री ने बताया कि इस बीमारी के मरीजों में तीन महीने के शिशु से लेकर 91 साल के बुजुर्ग तक शामिल हैं। उन्होंने कहा, पिछले साल के विपरीत, इस बार हम किसी एक जल स्रोत से जुड़े क्लस्टर नहीं देख रहे हैं। ये अलग-अलग मामले हैं, और इसने हमारी महामारी विज्ञान संबंधी जाँच को जटिल बना दिया है। केरल सरकार के एक दस्तावेज़ के अनुसार, यह बीमारी केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करती है। इसमें कहा गया है, यह संक्रमण मस्तिष्क के ऊतकों को नष्ट कर देता है, जिससे ज़्यादातर मामलों में गंभीर मस्तिष्क सूजन होती है और मरीज की मौत हो जाती है। यह दुर्लभ बीमारी है और आमतौर पर स्वस्थ बच्चों, किशोरों और युवा वयस्कों को शिकार बनाता है।

## राजमिस्त्री को अगवा कर पीटा, हालत गंभीर

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मुरादनगर के गांव गढ़ी से राजमिस्त्री को अगवा कर गांव भोवापुर ले जाकर बेरहमी से पीटने का मामला सामने आया है। गंभीर हालत में राजमिस्त्री को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित के पिता ने मुरादनगर थाने में तहरीर दी है। पुलिस जांच के बाद कार्रवाई करने की बात कह रही है। गांव गढ़ी निवासी छोटेलाल ने बताया कि मेरा पुत्र मानव राजमिस्त्री का काम करता है। बुधवार रात को मानव को एक युवक अगवा कर भोवापुर ले गया। आरोप है कि मानव को इतना पीटा गया कि वह बेहोश हो गया। सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने मानव को गाजियाबाद के एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन हालत गंभीर होने पर दिल्ली के जीटीबी के लिए रेफर कर दिया गया।

## मेडिकल स्टोर की दीवार तोड़ कर दो लाख 87 हजार रुपये चुराए

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में मंगलवार रात चोरों ने मेडिकल स्टोर के पीछे की दीवार तोड़ कर गल्ले से लाखों रुपये चोरी कर लिए। पीड़ति मेडिकल स्टोर संचालक की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। दिल्ली मौजपुर निवासी सुशील भाटी का लोनी बॉर्डर थाने के सामने भाटी मेडिकल स्टोर हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार रात करीब साढे 11 बजे दवाई की बिक्री से दो लाख 87 हजार रुपये आए थे। रात में समय अधिक होने के चलते वह पैसे को गल्ले में रख कर शटर का ताला लगा कर घर चले गये थे। अगले दिन सुबह स्टोर खोलने पर देखा कि दुकान में रखा फ्रिज गिरा हुआ था। उसके पीछे करीब दो फिट दीवार टूटी हुई थी। दुकान के पीछे छेनी और हथौड़ा पड़ा हुआ था। उन्होंने बताया कि चोरों ने गल्ले में रखे दो लाख 87 हजार रुपये चुरा लिए। आरोप है कि थाने के सामने देर रात चोर छेनी और हथौड़े से दीवार तोड़ते रहे और पुलिस को घटना की भनक तक नहीं लग सकी। सीओ अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पीड़ति की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस घटना स्थल के आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज की सहायता से चोरों की तलाश में जुटी है।

## वक्फ संपत्तियों का विवरण उम्मीद पोर्टल पर अपलोड करना जरूरी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। भारत सरकार की ओर से वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और पारदर्शिता के लिए उम्मीद पोर्टल की स्थापना की गई है। इस पर पंजीकृत वक्फ संपत्तियों का विवरण अपलोड करना अनिवार्य किया गया है। अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी साहित्य निकष सिंह ने बताया कि जनपद में शिया और सुन्नी वक्फ के लिए अलग-अलग संपर्क अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। वक्फ संपत्तियों के प्रबंधक किसी भी तकनीकी या प्रक्रिया संबंधी समस्या के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों के अलावा विभाग में भी संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि विभाग में हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। डाटा फीडिंग में कठिनाई की स्थिति में मास्टर ट्रेनर नवीस अहमद खान, वक्फ निरीक्षक संतराम पाल से संपर्क किया जा सकता है। सभी को जल्द वक्फ संपत्तियों को पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य है।

## सिल्वरलाइन ने जीती जिला स्तरीय बैंड प्रतियोगिता

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। बुलंदशहर औद्योगिक क्षेत्र स्थित सिल्वरलाइन प्रेस्टिज स्कूल की ऑल-गर्ल्स बैंड टीम ने अपनी शानदार प्रश्तुति से जिला शतरीय बैंड प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रतियोगिता का आयोजन 17 सितम्बर को जवाहरलाल कन्या विद्यालय मुरादनगर में हुआ, जिसमें छह गर्ल्स स्क्वॉड एवं दो ब्वॉयज स्क्वॉड कुल आठ टीमों ने भाग लिया। सभी टीमों को पछाड़ते हुए सिल्वर लाइन स्कूल की टीम ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सिल्वरलाइन की बैंड टीम ने अपने अद्वितीय तालमेल, ऊर्जा से भरपूर प्रदर्शन और सुमधुर एवं प्रभावशाली संगीत से निर्णायकों और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जिला शतरीय विजेता खिताब जीतने में बाद अब यह टीम राज्य शतरीय प्रतियोगिता में लखनऊ में प्रदर्शन करेगी। स्कूल के चेयरमैन डॉ. सुभाष जैन, वाइस चेयरमैन डॉ. नमन जैन एवं प्रबंधन समिति ने विजेताओं को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

## युवती की अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। एक युवती की अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर ईकोटेक-3 कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की है। पिता का कहना है कि वह कोतवाली क्षेत्र के एक कालोनी में परिवार के साथ किराये पर रहते हैं। इसी मकान की पहली मंजिल पर बुलंदशहर निवासी कुलदीप भी किराये पर रहता है। आरोप है कि कुलदीप ने उनके परिवार से मेल-जोल बढ़ाकर उनकी 19 वर्षीय पुत्री से दोश्ती कर ली और उसका भरोसा जीतकर अश्लील वीडियो बना लिया। करीब 15 दिन पहले बनाए गए इस वीडियो को कुलदीप ने ब्लैकमेलिंग के लिए हथियार बनाया और वायरल करने की धमकी दी। इतना ही नहीं उसने कथित तौर पर यह वीडियो अन्य किरायेदारों को भी दिखाया। वीडियो पीड़ित की पत्नी के पास भी पहुंच गया है, जिससे परिवार की प्रतिष्ठा और बेटी की इज्जत दांव पर लगी है। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार का कहना है कि केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

## गुम मोबाइल पाकर लोगों की मुस्कान लौटी, -देश के 10 राज्यों से बरामद 101 मोबाइल फोन असली मालिकों तक पहुंचे

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। लोगों के गुम हुए 101 से अधिक स्मार्टफोन को पुलिस ने असली मालिकों तक पहुंचाकर चेहरों पर मुस्कान लौटा दी। सर्विलांस सेल और फेज-दो थाने की पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर दस राज्यों से यह फोन बरामद किए। गुरुवार को फेज-दो थाने पहुंचकर गुम हुआ मोबाइल पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे। सेंट्रल नोएडा जोन के एसपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि सेंट्रल नोएडा के विभिन्न थानों में गुम हुए मोबाइल फोन की शिकायतें दर्ज थीं।

# ट्रेड शो को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम, चार हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

ग्रेटर नोएडा में होने वाले उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के उद्घाटन को लेकर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर लिए हैं।

आयोजन स्थल एक्सपो मार्ट सेंटर को सुरक्षित बनाने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, उद्घाटन समारोह और उसके बाद होने वाले कार्यक्रमों में किसी भी तरह की सुरक्षा चूक न हो, इसके लिए चार हजार से अधिक पुलिसकर्मी ड्यूटी पर लगाए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था में आठ डीसीपी, नौ एडीसीपी, 37 एसीपी, 70 निरीक्षक और 150 उपनिरीक्षक के अलावा सैकड़ों सिपाही शामिल होंगे।

इसके साथ ही, भीड़ नियंत्रण और किसी अप्रिय घटना से निपटने के लिए प्रांतीय सशस्त्र बल (पीएसी) की सात कंपनियां भी मौके पर मौजूद रहेंगी। पुलिस प्रशासन ने विशेष रणनीति बनाते हुए यह निर्णय लिया है कि आसपास के जिलों से भी पुलिस बल मंगाया जाएगा। इसीलिए एक हजार से अधिक पुलिस जवान अन्य जनपदों से बुलाए गए हैं ताकि किसी भी परिस्थिति में सुरक्षा व्यवस्था में कमी न आने पाए।

गौतमबुद्ध नगर के ज्वाइंट सीपी लॉ एंड ऑर्डर राजीव नारायण मिश्रा ने बताया कि ट्रेड शो अंतरराष्ट्रीय शतर का आयोजन है, जिसमें देश-विदेश से बड़ी संख्या में प्रतिनिधि, उद्यमी और आगंतुक पहुंचेंगे। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोई जोखिम नहीं उठाया जाएगा।

पूरे आयोजन स्थल और इसके आस-पास के क्षेत्रों को जोन और सेक्टर में बांटकर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जाएगी। इसके अलावा, पार्किंग स्थलों, प्रवेश द्वारों और वीआईपी मार्गों पर भी विशेष चौकसी बरती जाएगी। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं एक्सपो मार्ट सेंटर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लेंगे।

सीएम योगी अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा, यातायात और प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे। उम्मीद की जा रही है कि उनके दौरे के बाद सुरक्षा व्यवस्था और सख्त कर दी जाएगी।

पुलिस प्रशासन ने बताया कि आयोजन स्थल पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी बढ़ाई जा रही है। साथ ही, एंटी-सबोटाज चेकिंग, डॉग स्क्वायड और बम डिस्पोजल स्क्वायड की भी तैनाती होगी। ड्रोन कैमरों से भीड़ पर नजर रखी जाएगी।

अधिकारियों का कहना है कि आगंतुकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए सभी संभव कदम उठाए गए हैं।

## ग्रेटर नोएडा : सोसाइटी में एओए चुनाव को लेकर मारपीट, केस दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित ट्राइडेंट एंबेसी सोसाइटी में एओए (अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन) चुनाव को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि बात हाथापाई तक पहुंच गई। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच कहासुनी मारपीट में बदल गई और लात-घूंसे चलने लगीं।

इस मारपीट से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक, सोसाइटी में एओए चुनाव की प्रक्रिया चल रही थी। इसी दौरान दो पक्षों के बीच किसी मुद्दे को लेकर नोकझोंक शुरू हो गई। पहले मामूली कहासुनी हुई, लेकिन देखते ही देखते मामला बिगड़ गया और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और मारपीट शुरू हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर कुर्सियां तक चला दीं, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने हालात को काबू में किया। बिसरख थाना पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कुल चार लोगों पर नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है और आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि दोनों पक्ष एक ही सोसाइटी के निवासी हैं और मामले की गहन जांच जारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं सोसाइटी में रहने वाले परिवारों और बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा करती हैं। लोगों ने प्रशासन से अपील की है कि चुनावी प्रक्रिया शांति और पारदर्शिता के साथ कराई जाए, ताकि इस प्रकार की हिंसक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पुलिस फिलहाल वायरल वीडियो और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर जांच में जुटी है।

## साइबर अपराधियों ने सेवानिवृत्त कर्नल से एक करोड़ की ठगी

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

साइबर अपराधियों ने सेवानिवृत्त कर्नल को शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर एक करोड़ से अधिक रुपये ठग लिए। जालसाजों ने यूनाइटेड किंगडम में पंजीकृत शेयर ट्रेडिंग कंपनी में निवेश कराने के नाम पर ठगी की।

पीड़ित की शिकायत पर साइबर अपराध थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्रेटर नोएडा में रहने वाले पीड़ित ने पुलिस को बताया कि वह आर्मी में कर्नल के पद पर थे। सेवानिवृत्त होने के बाद परिवार के साथ रहते हैं। एक मई को उन्होंने फेसबुक पर कुछ वीडियो देखे। उनमें प्रधानमंत्री और वित्तमंत्री भारतीय नागरिकों को किसी भी ट्रेडिंग प्लेटफार्म पर निवेश करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे थे।

दावा किया जा रहा था कि इंट्राडे ट्रेडिंग करने पर रोजाना 500 से दो हजार रुपये तक कमा सकते हैं। उन्होंने यूके में पंजीकृत नामी कंपनी क नाम से मिले ट्रेडिंग फार्म को भर दिया। इसके बाद व्हाट्सऐप कॉल और चेटिंग के जरिये कथित रूप से दिव्यांगना थोरात और कपिल जयकल्याणी से संपर्क होने लगा। उन्होंने आठ मई को सबसे पहले 25 हजार रुपये ट्रांसफर करके पंजीकरण कराकर ट्रेडिंग शुरू कर दी।

शुरुआत में उन्होंने न्यूनतम राशि निवेश की। इसके बाद जालसाजों ने आईपीओ में निवेश करने के लिए उकसाया। इसके बाद उन्होंने 32 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। जालसाजों से मिले ट्रेडिंग प्लेटफार्म के लिंक पर क्लिक करने पर पता चला कि निवेश करने के बाद रकम बढ़कर चार करोड़ रुपये हो गई है।

पीड़ित ने इसकी जानकारी पत्नी को भी दी। उन्होंने जब रुपये निकालने के लिए जालसाजों से कहा तो उन्होंने विभिन्न प्रकार के कर के रूप में 25 लाख रुपये का भुगतान करने के लिए कहा। इस पर पीड़ित ने 20 लाख रुपये का ऋण पेंशन पर लेने के बाद 30 लाख रुपये का अग्रिम कमीशन और कर चुका दिया।

इसके बाद भी रुपये नहीं मिले। इसके बाद आरोपियों ने एक करोड़ रुपये जमा करने को कहा। तब धोखाधड़ी का अहसास हुआ। धीरे-धीरे करके जालसाजों ने आठ मई से 15 जुलाई के बीच एक करोड़ चार लाख 15 हजार 987 रुपये ट्रांसफर करा लिए।

साइबर अपराध थाना पुलिस का कहना है कि पीड़ित की रकम महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडू, झारखंड आदि राज्यों में खुले बैंक खातों में ट्रांसफर हुई। कुछ रकम इन बैंक खातों में फ्रीज करा दी गई है।

# सेवा पखवाड़ा : उप्र जन संपर्क एवंसूचना विभाग की कलेक्ट्रेट परिसर में लगाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी महानगर गाजियाबाद द्वारा यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत कलेक्ट्रेट परिसर में एक भव्य प्रदर्शनी लगाई गयीष इस प्रदर्शनी का उद्घाटन कैबिनेट केबिनेट मंत्री माननीय सुनील शर्मा जी द्वारा किया गया। उप्र जन संपर्क एवंसूचना विभाग की इस प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जीवन सफर, उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान, देश के विकास में किए गए ऐतिहासिक कार्यों तथा विश्व पटल पर भारत की बढ़ती उपलब्धियों को आकर्षक ढंग से प्रश्तुत किया गया है।

कैबिनेट मंत्री श्री सुनील शर्मा ने प्रदर्शन उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में कहा कि हम सौभाग्य शाली है कि हमारे समय में देश केप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी व प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी जैसे राष्टनिष्ठ पदासीन है। उन्होंने कहा कि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने राजनीति को सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित की साधना बना दिया है। इस प्रदर्शनी में उनके जीवन और कार्यों का अद्भुत चित्रण है, जो युवाओं को समाज और देश के लिए कार्य करने की प्रेरणा देगा। भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत आयोजित यह प्रदर्शनी प्रधानमंत्री जी की तपस्या, त्याग और समर्पण को जन-जन तक पहुंचाने का एक प्रयास है।

भाजपा कार्यकर्ता सेवा भावना के साथ इस अभियान को सफल बना रहे हैं। विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने विकास, आत्मनिर्भरता और गौरव का नया इतिहास रचा है। प्रदर्शनी उनके विजन और उपलब्धियों को जनता के सामने सशक्त रूप से प्रश्तुत कर रही है। पूर्व महापौर आशु वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का जीवन जनसेवा और राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण है। उनके नेतृत्व में भारत ने अंतरराष्ट्रीय शतर पर नई पहचान स्थापित की है।

यह प्रदर्शनी आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा के साथ भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी पूर्व विधायक कृष्णवीर सिरोही, पूर्व महापौर आशु वर्मा, पूर्व महापौर आशा शर्मा, महामंत्री सुशील गौतम, पप्पू पहलवान, सुशासन प्रमुख तरुण शर्मा, मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, पार्षद सुरेंद्र नागर, गौरव चोपड़ा,पार्षद कपिल वशिष्ठ, विनोद कसाना, कृष्ण त्यागी, नीरज त्यागी, विनीत शर्मा, ऋचा भदौरिया, प्रीति चंद्रा, रेणु चंदेला, अंजना त्यागी, सिमी त्यागी आदि थे।

2 अक्टूबर तक प्रदर्शनी आम जनता के लिए खुली रहेगी। क्लेक्ट्रेट परिसर में लगाई गई यह प्रदर्शनी दो अक्टूबर तक आम जनता के लिए खुली रहेगी, ताकि लोग प्रधानमंत्री मोदी जी के जीवन, कार्यों और राष्ट्रहित में उनके योगदान को नजदीक से देख व समझने का अवसर मिल सके।

## बिना लाइसेंस के सूदखोरी का कारोबार करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी : सीओ

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि सरकार द्वारा जारी

गाइडलाइन के अनुसार ही व्यापारियों को व्यापार करना चाहिए।

बिना लाइसेंस के सूदखोरी का कारोबार करने वालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गुरुवार की दोपहर थाना परिसर में सूदखोरी के संबंध में आयोजित गोष्टी को संबोधित करते हुए पुलिस क्षेत्राधिकार अंजनी कुमार चतुर्वेदी ने सूदखोरी संबंधी उच्च अधिकारियों के दिशा निर्देशों के बारे में नगीना के व्यापारियों, ज्वेलर्स, साहू कारो को अवगत कराया। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यापारी उच्चाधिकारियों के दिशा निर्देशों का पालन नहीं करता तो उसके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गोष्टी की अध्यक्षता पुलिस क्षेत्राधिकार अंजनी कुमार चतुर्वेदी तथा संचालन थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने किया। गोष्ठी में नगर के तमाम व्यापारी, ज्वेलर्स, साहूकार उपस्थित रहे।

# ग्रेटर नोएडा : निजी कंपनी की बस में लगी भीषण आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार की सुबह एक निजी कंपनी की बस में अचानक आग लग गई। उसके बाद चालक ने बस को साइड में रोका और उससे कूदकर अपनी जान बचाई।

गनीमत यह रही कि उस वक्त बस में सिर्फ ड्राइवर ही मौजूद था, सवारियां नहीं थीं। आसपास के लोगों ने तुरंत इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने बस में लगी आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार, घटना गुरुवार सुबह सूरजपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत घटित हुई। निजी कंपनी की बस अचानक आग की चपेट में आ गई। जिस वक्त घटना हुई, उस समय बस में सिर्फ चालक मौजूद था और कोई भी यात्री सवार नहीं था।

स्थानीय लोगों ने जैसे ही आग की सूचना पुलिस और फायर विभाग को दी, मौके पर फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां तत्काल पहुंच गईं। फायरमैन ने आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग को पूरी तरह से बुझा दिया गया।

गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट की तरफ से जारी किए गए आधिकारिक बयान में कहा गया कि थाना सूरजपुर क्षेत्र से निजी कंपनी की एक बस में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी।

फायर ब्रिगेड की सहायता से आग पर पूर्ण रूप से काबू पा लिया गया है। इस घटना के दौरान बस में चालक के अलावा कोई अन्य व्यक्ति मौजूद नहीं था। किसी भी तरह की जनहानि की सूचना नहीं है।

हालांकि, आग की वजह से बस जलकर राख हो गई और भारी नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने बस में आग लगने के सही कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

प्रारंभिक अनुमान लगाया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट या फिर इंजन में किसी तरह की तकनीकी खराबी आग लगने की वजह हो सकती है, हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

# धान क्रय के लक्ष्य को शत प्रतिशत रूप से पूरा करने के लिए कार्य योजना बनाएं

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर ने समश्त केन्द्र प्रभारियों को निर्देश दिये कि धान क्रय के लक्ष्य को शत प्रतिशत रूप से पूरा करने के लिए कार्य योजना बनाएं और सभी केन्द्र प्रभारी अपने क्षेत्रीय कृषकों से सम्पर्क स्थापित कर किसान पंजीकरण कार्य में प्रगति लाएं तथा उन्हें सरकारी क्रय केन्द्रों पर धान विक्रय करने के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सभी केंद्र प्रभारी क्रय केंद्रों पर समस्त व्यवस्थाएं पूर्ण कराते हुए आगामी 01 अक्टूबर, 2025 से नियमानुसार धान खरीद का कार्य प्रारंभ करना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा किसान भाईयों को भरपूर लाभ दिए जाने के उद्देश्य से जनपद बिजनौर में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में सीधे कृषकों से मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत धान खरीद के लिए कुल 30 धान क्रय केन्द्र स्थापित किये गये हैं। शासन द्वारा जनपद का धान क्रय लक्ष्य 53000 मै०टन निर्धारित किया गया है।

जिलाधिकारी श्रीमती कौर आज शाम 04-00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित धान क्रय से संबंधित बैठक की अध्यक्षता करते हुए निर्देश दे रही थीं। उन्होंने निर्देश दिए कि कृषकों द्वारा क्रय केन्द्र पर बेचे गये धान का भुगतान सीधे उनके आधार लिंक बैंक खाते में पी०एफ०एम०एस० के माध्यम से करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने बताया कि कृषकों द्वारा अपने बैंक खातों को आधार सीडेड एंव बैंक शाखा द्वारा एन०पी०सी०आई० पोर्टल पर मैप कराया जाना आवश्यक है। धान, बिक्री के समय क्रय केन्द्रों पर किसान के स्वंय उपस्थित न होने की दशा में किसान द्वारा पंजीकरण के समय पंजीकरण प्रपत्र परिवार के नामित सदस्य का विवरण एंव उनका आधार नम्बर फीड कराना अनिवार्य होगा। उन्होंने यह भी बताया कि कृषक द्वारा लाया गया धान गीला अथवा गन्दा होने की स्थिति में धान को तुरन्त अस्वीकृत न करते हुए कृषक को क्रय केन्द्र पर धान को सुखाने व साफ करने का पर्याप्त मौका दिया जायेगा व मानक के अनुरूप आने पर ही क्रय किया जायेगा।

क्रय केन्द्र पर कृषकों का धान 'पहले आओ पहले पाओं के सिद्वान्त पर क्रय किया जायेगा, परन्तु यदि किसी क्रय केन्द्र पर उसकी दैनिक खरीद क्षमता से अधिक किसान पहुँचते हैं, तो क्रय केन्द्र पर कृषकों की सुविधा के लिए ऑफलाइन टोकन की व्यवस्था की जायेगी। उन्होंने धान क्रय केन्द्र एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि 01 अक्टूबर 2025 से पूर्व सभी एजेंसियां अपने अपने केंद्रों पर बोरों सहित सभी आवश्यक मशीन एवं उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करें और किसानों के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था, पेयजल आदि की व्यवस्था व्यवस्था करना सुनिश्चित करें।

इससे पूर्व जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर द्वारा उत्तर प्रदेश विधान परिषद बरेली मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित मतदेय स्थलों का चयन/निर्धारण किया जाने के संबंध में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए तथा राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों से उक्त कार्य में सहयोग की अपेक्षा की गई। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वान्या सिंह, न्यायिक अंशिका दीक्षित, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी धामपुर स्मृति मिश्रा, जिला खाद्य एवं विपरण अधिकारी सहित पीसीएफ, एफसीआई सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

# खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने 1200 किलो कुट्टू के आटे को किया सीज

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए। टीम ने नगीना में अग्रवाल चक्की पर1200 किलो कुट्टू आटे को सीज किया। नवरात्रि के दिनों में लोगों को शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगभग पूरे जनपद बिजनौर में अभियान चलाया जा रहा है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने लगातार .अभियान चलाकर खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र कर रही है। टीम ने नगीना कार्रवाई करते हुए नगीना मानकचन्द मौहल्ले में स्थित अग्रवाल की आटा चक्की पर छापामारा यहां साबुत कुट्टू और कुट्टू का आटा दोनों बरामद हुए व्यापारी अनिल कुमार एवं विजय कुमार का साबुत कुट्टू से आटा तैयार हो रहा था।

700 किलोग्राम सबूत कुट्टू एवं 500 किलोग्राम कुत्तों का आता सीज क्या सीज किए हुए कुट्टी को चक्की मलिक ओमअग्रवाल को सपूर्द कर दिया साथ ही चार नमूने इकट्ठा किये। रिपोर्ट आने तक कुट्टू नहीं भेज सकेंगे। जिसमें मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी संजीव कुमार, अनिल कुमार निरीक्षक नगीना, डी.के. वर्मा, लाल सराय पुलिस चौकी प्रभारी सोहन पुंडीर उपस्थित रहे।

## पेराई क्षमता बढ़ाए जाने के संबंध मे शासन ने प्रबंध निदेशक यूपी चीनी मिल संघ लिमिटेड से रिपोर्ट मांगी

एनसीआर टुडे. नजीबाबाद। किसान सहकारी चीनी मिल की मिल की पेराई क्षमता बढ़ाए जाने के संबंध में शासन ने प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल संघ लिमिटेड से रिपोर्ट मांगी है। आदर्श नगर निवासी आरटीआई कार्यकर्ता मनोज शर्मा ने पूर्व में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे एक पत्र में अवगत कराया था कि कोटद्वार मार्ग स्थित किसान सहकारी चीनी मिल की वर्तमान पेराई क्षमता अपर्याप्त है। जिससे किसानों को अपना गन्ना अन्य खरीदारों को बेचना पड़ रहा है। क्षेत्र के किसान और उनके संगठन काफी समय से मिल की पेराई क्षमता को बढ़ाकर 5,000 टन गन्ना प्रतिदिन (टीसीडी) करने की मांग कर रहे है। इसके अलावा पूर्व में आपके द्वारा किसान सहकारी चीनी मिल नजीबाबाद की पेराई क्षमता बढ़ाने की घोषणा भी कर धनराशि भी स्वीकृत कर चुके है।

**उत्तर रेलवे**

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक उत्तर रेलवे नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मो से निम्नलिखित मदों के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:–

| क्र. सं. | निविदा स. | संक्षिप्त विवरण | मात्रा | अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 01 | 82255015C | रोबोट फॉर जॉइंट रिप्लेसमेंट (रिवाइज्ड स्पेसिफिकेशन एज़ पर पीडीएफ अटैच्ड) | 01 | 15.10.2025 |

निविदा शर्तें 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाईट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।
2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी।

टेंडर नोटिस सं0 इंजेक्शन और दवाएं दिनांक : 17.09.2025

2869/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

# संपादकीय

## झूठ की पोल खुलने के बाद

अंततः अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के झूठ की कलई खुल गई। अमरीका के चंपू देश पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने ही राष्ट्रपति ट्रंप को बेनकाब कर दिया कि युद्धविराम को लेकर भारत ने तीसरे देश की मध्यस्थता मंजूर नहीं की थी। भारत ने इसे द्विपक्षीय मामला माना। 'अल जजीरा' के साथ साक्षात्कार के दौरान पाकिश्तान के उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री मुहम्मद इशाक डार ने कहा था-'10 मई को जब रूबियो (अमरीका के विदेश मंत्री) के जरिए सीजफायर का प्रश्ताव आया था, तो मुझे बताया गया कि भारत और पाकिस्तान के बीच किसी तटस्थ जगह पर बातचीत होगी। लेकिन जब 25 जुलाई को वॉशिंगटन में रूबियो से मुलाकात हुई, तो मैंने पूछा कि बातचीत का क्या हुआ? तो उन्होंने कहा-भारत इसे द्विपक्षीय मामला मानता है। ' इस साक्षात्कार से ही साफ है कि भारत-पाकिश्तान के बीच युद्धविराम में अमरीकी राष्ट्रपति की कोई भूमिका नहीं थी।

यह भी स्पष्ट हो गया कि भारत द्विपक्षीय मामलों में किसी तीसरे की मध्यस्थता न तो स्वीकार करता है और न ही उसकी नीति है। बेशक 10 मई से लेकर हालिया दिनों तक राष्ट्रपति ट्रंप लगातार दावा करते रहे हैं कि उनके प्रयास से युद्धविराम हो गया। दोनों देशों ने समझदारी और बुद्धिमानी से काम किया और संभावित 'न्यूक्लियर वॉर' टल गया। भारत ने लगातार इस बड़बोलेपन का खंडन किया। संसद के भीतर भी इन दावों को खारिज किया गया। शायद यही बुनियादी वजह हो सकती है कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच 90 दिनों तक कोई संवाद नहीं हुआ। 17 जून के बाद यह अबोला टूटा और ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन पर जन्मदिन की बधाई दी। यह भी कहा कि वह बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जवाब में जो कुछ कहा, वह उन्होंने साझा किया है-'मेरे मित्र, राष्ट्रपति ट्रंप, मेरे जन्मदिन पर आपके फोन कॉल और गर्मजोशी भरी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। आपकी तरह, मैं भी भारत-अमरीका व्यापक और वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हूं।'

बहरहाल झूठ की कलई तो नेपथ्य में चली गई, लेकिन दो विश्व नेताओं की आपसी बातचीत ने संबंधों के राश्ते फिर साफ किए हैं। भारत पर अमरीका के 50 फीसदी टैरिफ के बाद 'व्यापार समझौते' की बातचीत भी बंद हो गई थी, लेकिन 16 सितंबर, मंगलवार, को अमरीका के व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच नई दिल्ली में थे। उन्होंने केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के विशेष प्रतिनिधि राजेश अग्रवाल के साथ करीब 7 घंटे तक बातचीत की। दोनों ने बातचीत को 'सकारात्मक' करार दिया। तय है कि 'व्यापार समझौते' की बातचीत पटरी पर आ गई है। हालांकि इसे समझौते के आधिकारिक संवाद का छठा चरण घोषित नहीं किया गया है। लेकिन इन तमाम बदलावों से अमरीका का नरम रुख और सकारात्मक साझेदारी की एक और शुरुआत स्पष्ट हुई है। यदि अमरीकी प्रतिनिधि वॉशिंगटन से उड़ कर नई दिल्ली में आया है, तो कमोबेश गपशप करने या हल्की-फुल्की बातें करने तो नहीं आया है। लिहाजा हम इस बातचीत को भी महत्वपूर्ण मानते हैं। हालांकि अमरीका का लक्ष्य अब भी वही है, जो मई-जून-जुलाई के संवाद-चरणों के दौरान उजागर हुआ था।

अमरीका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक का सवाल समझ में आता है-'भारत के 140 करोड़ से अधिक लोग अमरीकी मक्का का एक बुशेल, यानी 32 सेर, क्यों नहीं खरीद सकते? अमरीका भारत के कृषि क्षेत्र में व्यापार की अनुमति लगातार मांग रहा है। यह व्यापार समझौते का एक बड़ा पेंच भी है। भारत लगातार इंकार कर रहा है, क्योंकि उसे अपने किसानों, डेयरीवालों की चिंता है। टैरिफ के बावजूद भारत का निर्यात 7 फीसदी बढ़ा है और आयात 10 फीसदी कम हुआ है। टैरिफ से भारत बिल्कुल प्रभावी नहीं है, ऐसा नहीं है। आंध्रप्रदेश में झींगा मछली के कारोबारियों को करीब 25, 000 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है, क्योंकि उनके निर्यात के 50 फीसदी ऑर्डर रद्द कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने यह मुद्दा केंद्र के साथ साझा किया है कि झींगा निर्यातकों की मदद की जाए। बहरहाल भारत-अमरीका के बीच जो खिडक़ी खुली है, उससे अब ठंडी हवा ही आनी चाहिए। नेतागण अनाप-शनाप दावे करते रहे हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय संबंध बिगडऩे नहीं चाहिए।

## विदेश में एकल मातृत्व ढलान की ओर

नैतिकता-नैतिकता में अंतर होता है। हर जगह समान नैतिकता नहीं है। यूरोप और अमेरिका के दक्षिणपंथी इस बात के लिए लड़ाई लड़ते रहे हैं कि गर्भ में जो बच्चा आ गया, चाहे वह जैसे भी आया, उसे मारा नहीं जा सकता, क्योंकि वह एक जीव है और उसमें प्राण आ चुका है। मगर विवाह से पहले शारीरिक संबंध बनाने को वह बहुत महत्व नहीं देते। विवाह के बिना बच्चे हो जाएं, वह भी उनके लिए बड़ा मुद्दा नहीं होता। उनके लिए बड़ा मुद्दा तो यही है कि जो जीव गर्भ में आ गया, उसे जीने का अधिकार है। उसे कतई नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए।

मगर भारत में लोगों के लिए गर्भ में आया बच्चा ज्यादा महत्वपूर्ण मुद्दा नहीं है, बल्कि एक समय जो जितना बड़ा दक्षिणपंथी था, उसे तकनीक ने मौका दिया, तो उसने जमकर बच्चों को मारा। केवल अविकसित भ्रूण को नहीं, बल्कि बीस-पच्चीस सप्ताह के गर्भ को भी मार गिराया और आज भी यह सतत जारी है। कई जगह तो स्वीकार्य परंपरा थी बच्चियों को दूध में डुबोकर मारने की। अगर सही से याद हो, तो उसे 'दूधपीटी' कहते थे। मजेदार बात यह है कि जो-जो समुदाय गर्भ में पल रहे भ्रूण को मारने में सबसे आगे थे, वे विवाह से पहले शारीरिक संबंध बनाने के सबसे प्रबल विरोधी रहे, आज भी हैं।

अब कौन सही है, कौन गलत, यह नहीं कहा जा सकता, लेकिन व्यक्ति बचपन से जिन चीजों को परिवार से सीखता रहता है, वे उसको अधिक महत्वपूर्ण और मूल्यवान लगती हैं। जीवन-मूल्य बन जाते हैं वे। मगर इस आधार पर यह तय करना अनुचित होगा कि भारत का विचार अधिक सही है अथवा यूरोप और अमेरिका का विचार अधिक सही? सबकी अपनी विकास-यात्रा है, सबकी अपनी सोच है। हां, जो भी अति की तरफ जाएगा, वह समाप्त होने को बाध्य है। उसका एक-न-एक दिन अंत जरूर होगा। यूरोप में गर्भ बचाने के चक्कर में 'सिंगल मदर' की संकल्पना आगे बढ़ी और वह इस कदर व्याप्त हो गई कि अब परिवार के प्रति प्रेम फिर से लौट रहा है। बलात्कार के बाद भी गर्भ ठहर जाने पर बच्चा पैदा ही करना होगा, इस पर विचार-विमर्श चल रहा है। भारत में भी धीरे-धीरे अनर्गल परंपराएं ढलान पर हैं। सबकी अपनी-अपनी नैतिकता है, जिसमें अलग-अलग प्राथमिकताए हैं, पर वाशतव में दिक्कत तब होती है, जब कोई व्यक्ति, समाज और सभ्यता संबंधी आम सोच को किनारे लगाकर अति की तरफ जाने लगता है। हालिया घटनाओं को हमें इसी संदर्भ में देखना चाहिए।

# "जहाँ विज्ञान चूक जाता है, वहाँ टिटहरी पहले चेताती है"

**टिटहरी कोई साधारण पक्षी नहीं, बल्कि प्रकृति का मौन प्रहरी है। किसान उसके अंडों की संख्या, स्थान और समय देखकर बारिश, बाढ़ या अकाल का अनुमान लगाते रहे हैं। विज्ञान भी मानता है कि ऐसे पक्षी "इकोसिस्टम इंडिकेटर" होते हैं, जो पर्यावरणीय बदलावों का पहले से संकेत दे देते हैं। आज शहरीकरण और रसायनों के प्रयोग से इनका आवास खतरे में है। यदि हम टिटहरी जैसे पक्षियों की चेतावनी अनसुनी कर देंगे, तो भविष्य में आपदाओं के प्रति हमारी संवेदनशीलता और भी घट जाएगी। इसलिए जरूरी है कि हम इन्हें बचाएँ और इनके संदेश को गंभीरता से सुनें।**

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

भारत का ग्रामीण जीवन सदियों से प्रकृति के साथ गहरे संवाद में रहा है। खेत, मौसम और जीव-जंतु मिलकर किसान की दिनचर्या और भविष्य दोनों को प्रभावित करते हैं।

इन सबके बीच टिटहरी एक ऐसा छोटा-सा पक्षी है, जो सामान्य आँखों से मामूली दिखता है, लेकिन किसानों और लोकजीवन की स्मृतियों में यह मौसम की सटीक भविष्यवाणी करने वाला प्रहरी माना जाता है।

यह केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि धरती और आकाश के बीच संवाद का माध्यम है, एक मौन दूत है जो संकट और समृद्धि दोनों की आहट पहले ही दे देता है।

ग्रामीण अनुभव बताते हैं कि टिटहरी का व्यवहार मौसम और कृषि की दिशा तय करने में अहम संकेत देता है। यदि वह चार अंडे देती है तो चार महीने अच्छी वर्षा होने का विश्वास किया जाता है। जब वह ऊँचाई पर अंडे देती है, तो लोग मानते हैं कि सामान्य से अधिक वर्षा होगी। यदि कभी वह मजबूरी में छत या पेड़ पर अंडे दे, तो यह भीषण बाढ़ का संकेत माना जाता है। वहीं, यदि वह अंडे न दे तो यह सबसे डरावनी स्थिति होती है, क्योंकि लोग इसे अकाल का दूत मानते हैं। किसान कहते हैं कि जिस खेत में टिटहरी अंडे देती है, वह खेत खाली नहीं रहता। वहाँ फसल ज़रूर होती है। इस तरह यह पक्षी न केवल वर्षा और मौसम से जुड़े संकेत देता है बल्कि उपजाऊपन और अकाल जैसी चरम स्थितियों की चेतावनी भी बन जाता है।

लोकजीवन में एक और मान्यता है कि टिटहरी का मृत शरीर कुरुक्षेत्र के अलावा कहीं दिखाई नहीं देता। चाहे यह तथ्य हो या प्रतीकात्मक कल्पना, लेकिन यह विश्वास उसे जीवन और अस्तित्व की रक्षा का प्रतीक बना देता है। टिटहरी को देखने वाला किसान समझ जाता है कि यह पक्षी उसकी मिट्टी, फसल और भविष्य का पहरेदार है। यही कारण है कि ग्रामीण लोकगीतों और कहावतों में भी टिटहरी का उल्लेख मिलता है।

यह उन जीवों में से है जिनकी गतिविधियों पर पीढ़ियाँ भरोसा करती रही हैं। अब सवाल उठता है कि जब विज्ञान मौसम की भविष्यवाणी के लिए उपग्रह, राडार और कंप्यूटर मॉडल जैसे अत्याधुनिक साधन लेकर आया है, तब टिटहरी जैसे पक्षियों की भूमिका क्या रह जाती है।

वास्तव में इसका उत्तर यही है कि विज्ञान और लोकअनुभव एक-दूसरे के पूरक हैं, विरोधी नहीं। वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो टिटहरी जैसे पक्षी पर्यावरणीय परिवर्तनों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होते हैं। हवा की नमी, तापमान का उतार-चढ़ाव, भूमि की नमी, जल स्तर का बढ़ना या घटना – इन सबका असर उनके व्यवहार पर पड़ता है। यही कारण है कि वैज्ञानिक भाषा में इन्हें "इकोसिस्टम इंडिकेटर" कहा जाता है। यानी ऐसे जीव जो अपने

आचरण के माध्यम से हमें पर्यावरणीय बदलावों की समय रहते जानकारी दे देते हैं।

हमारे पूर्वजों ने विज्ञान के औज़ारों का सहारा लिए बिना ही इन संकेतों को अनुभव के आधार पर समझा और उनका लाभ उठाया। सदियों से किसान टिटहरी की गतिविधियों पर नज़र रखते आए हैं। अगर वह अंडे देने का समय टाल दे तो किसान पहले से ही सतर्क हो जाते थे। यदि वह ज़मीन छोड़कर ऊँचाई पर चली जाए, तो वे अधिक वर्षा और संभावित जलभराव को लेकर चौकन्ने हो जाते थे। इस प्रकार लोकानुभव ने जो बातें कही हैं, वे वाश्तव में वैज्ञानिक कारणों से जुड़ी हुई हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि किसानों ने इन्हें अपनी भाषा और प्रतीकों में व्यक्त किया।

आज जब हम शहरीकरण और औद्योगिकीकरण की चमक में डूबे हैं, तब सबसे बड़ा संकट यही है कि हमने प्रकृति की इस मौन भाषा को सुनना लगभग छोड़ दिया है। शहरों में रहने वाला इंसान यह नहीं जानता कि कब कोई पक्षी अपनी आदत बदल रहा है, कब उसकी संख्या घट रही है या कब उसका स्वर बदल रहा है।

यही लापरवाही हमें अचानक आने वाली आपदाओं के सामने असहाय बना देती है। यदि हम टिटहरी और अन्य पक्षियों के संदेशों को गंभीरता से लें तो आपदा प्रबंधन की हमारी क्षमता कई गुना बढ़ सकती है।

टिटहरी के बारे में यह भी कहा जाता है कि यह पक्षी खेत को कभी खाली नहीं छोड़ता। उसका वहाँ अंडे देना किसानों के लिए आश्वासन का प्रतीक है। यह विश्वास अपने आप में गहरा संदेश है कि प्रकृति मनुष्य को निराश नहीं करती, बशर्ते हम उसका सम्मान करें। लेकिन जब हम प्रकृति के नियम तोड़ते हैं, उसके साथ छेड़छाड़ करते हैं, तब उसके प्रहरी पक्षी भी अपने संकेत बदलने को मजबूर हो जाते हैं। यही वजह है कि कई बार बाढ़ या अकाल जैसी स्थिति का पूर्वाभास हमें टिटहरी के व्यवहार से पहले ही मिल जाता है।

इस पक्षी का महत्व केवल ग्रामीण जीवन तक सीमित नहीं है। यह हमें याद दिलाता है कि जीवन का हर रूप पर्यावरण के विशाल ताने-बाने से जुड़ा है। जब एक छोटा-सा पक्षी अपने अंडों के ज़रिए भविष्य की तस्वीर दिखा सकता है, तब यह हमारे लिए चेतावनी भी है कि हम इस तंत्र के साथ खिलवाड़ न करें।

विज्ञान भी यही कहता है कि पर्यावरण में सूक्ष्मतम बदलाव का सबसे पहले असर पक्षियों और छोटे जीवों पर दिखाई देता है। यदि हम समय रहते उन्हें सुन लें, तो बड़ी त्रासदियों से बच सकते हैं।

संपादकीय दृष्टि से यह कहना उचित है कि टिटहरी कोई साधारण पक्षी नहीं है। यह हमें यह समझाती है कि ज्ञान केवल प्रयोगशालाओं और उपग्रहों से नहीं आता, बल्कि खेत-खलिहानों और जीव-जंतुओं के आचरण से भी आता है। आधुनिक विज्ञान जहाँ आँकड़ों और तकनीक पर आधारित है, वहीं टिटहरी सहज संवेदना और प्राकृतिक जुड़ाव पर आधारित चेतावनी देती है। दोनों के बीच पुल बनाना ही आज की सबसे बड़ी ज़रूरत है।

आज की स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न संरक्षण का है। यदि टिटहरी जैसे पक्षी हमारे बीच से लुप्त हो जाएँगे तो न केवल लोकविश्वास टूट जाएगा, बल्कि पर्यावरणीय चेतावनी प्रणाली का एक अहम हिस्सा भी खो जाएगा। इसके संरक्षण के लिए हमें खेतों में अत्यधिक कीटनाशकों का उपयोग कम करना होगा, प्राकृतिक आवासों को सुरक्षित रखना होगा और जलस्रोतों को बचाना होगा। यह केवल एक पक्षी का संरक्षण नहीं होगा, बल्कि अपने भविष्य और अश्तित्व की रक्षा भी होगी।

निष्कर्ष यही है कि जहाँ विज्ञान आँकड़ों और मशीनों पर भरोसा करता है, वहीं टिटहरी जैसी पक्षियाँ सहज चेतावनी देती हैं। विज्ञान देर से अलर्ट करता है, लेकिन टिटहरी पहले से सावधान कर देती है। हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती यही है कि हम इस मौन संवाद को सुनें और उसके अनुसार कदम उठाएँ। यदि हमने इस आवाज़ को नज़रअंदाज़ किया, तो आने वाले समय में न केवल टिटहरी गायब हो जाएगी, बल्कि उसका दिया हुआ संदेश भी हमारे जीवन से खो जाएगा।

# वक्फ के सुप्रीम फैसले पर पक्ष-विपक्ष दोनों खुश

**राजेश कुमार पासी**

वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन करने वाले वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन कानून केन्द्र सरकार ने बनाया था। लोकसभा और राज्यसभा से पास होने के पश्चात 5 अप्रैल 2025 को राष्ट्रपति के हश्ताक्षरों के बाद यह कानून देश में लागू हो गया था। 5 अप्रैल को ही आम आदमी पार्टी के नेता अमानतुल्लाह खान व अन्य ने इस कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे दी थी।

असदुद्दीन ओवैसी, मोहम्मद जावेद, एआईएमपीएलबी और अन्य भी इस मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए। 17 अप्रैल को केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वासन दिया कि मामले की सुनवाई तक 'वक्फ वाई यूजर' या 'वक्फ वाई डीड' सम्पत्तियों को गैर-अधिसूचित नहीं किया जाएगा। 22 मई को सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाओं की सुनवाई पूरी कर ली और फैसला सुरक्षित कर लिया था।

15 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर अपना अंतरिम फैसला दे दिया है। वक्फ कानून के खिलाफ अदालत गए याचिकाकर्ताओं की मुख्य मांग को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। याचिकाकर्ता चाहते थे कि सुप्रीम कोर्ट पूरे कानून पर रोक लगा दे लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी कानून पर अंतरिम रोक लगाने को लेकर सावधानी बरतनी चाहिए और दुर्लभ से दुर्लभतम मामलों में ही पूरे कानून पर रोक लगानी चाहिए।

इस फैसले से सरकार और कानून के पक्षधर बहुत खुश हैं लेकिन कानून के खिलाफ गए याचिकाकर्ता भी खुश हैं क्योंकि अदालत ने इस कानून के कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी है। देखा जाए तो सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले से दोनों पक्षों को कुछ खुशी दी है और कुछ गम भी दिए हैं।

याचिकार्ताओं का कहना था कि वक्फ संपत्ति देने के लिए 5 साल इस्लाम पालन की शर्त लगाई गई है जो कि भेदभावपूर्ण प्रावधान है।

सरकार का कहना था कि जमीनों का अतिक्रमण किया जा रहा है, इसलिए यह प्रावधान किया गया है। अदालत ने फैसला सुनाया है कि जब तक राज्य सरकारें यह तय करने के लिए नियम नहीं बनाती कि कोई व्यक्ति मुस्लिम है या नहीं, तब तक तत्काल प्रभाव से इस प्रावधान पर रोक रहेगी। इससे याचिकाकर्ता खुश हैं लेकिन सरकार को भी परेशानी नहीं है क्योंकि यह अस्थायी रोक है।

राज्य सरकारें कानून बनाकर इसे लागू कर सकती हैं। कानून में प्रावधान था कि कलेक्टर वक्फ संपत्ति का फैसला कर सकता है लेकिन याचिकाकर्ताओं का कहना था कि इससे वक्फ संपत्ति की जमीन सरकारी दर्ज हो जाएगी। सरकार का कहना था कि कलेक्टर केवल प्रारंभिक जांच करता है, अंतिम फैसला ट्रिब्यूनल या कोर्ट का होगा।

अदालत ने इस प्रावधान पर रोक लगा दी है और कहा है कि कलेक्टर को नागरिकों के संपत्ति अधिकारों पर फैसला लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती। जब तक ट्रिब्यूनल या अदालत फैसला नहीं दे देते, तब तक वक्फ की संपत्ति का स्वरूप नहीं बदलेगा।

याचिकाकर्ताओं की मुख्य मांग यह थी कि जिन वक्फ संपत्तियों का लंबे समय से धार्मिक कार्यों के लिए इश्तेमाल किया जा रहा है, उन्हें वक्फ संपत्ति घोषित करने का प्रावधान बना रहे बेशक उस संपत्ति के दश्तावेज न हों। इस कानून को 'वक्फ वाई यूजर' कहा जाता है।

सरकार ने संशोधित कानून में यह प्रावधान खत्म कर दिया है। अदालत ने भी सरकार की बात मान ली है और 'वक्फ वाई यूजर' लागू करने से मना कर दिया है।

इस मामले में अदालत ने याचिकाकर्ताओं को राहत देते हुए आदेश दिया है कि बिना दश्तावेज वाली ऐसी संपत्तियों को, जहां लंबे समय से धार्मिक कार्य चल रहे हैं और उन्हें वक्फों द्वारा काबिज कर लिया गया है, उन संपत्तियों को ट्रिब्यूनल या अदालत द्वारा अंतिम फैसला आने तक न तो वक्फों को संपत्ति से बेदखल किया जाएगा और न ही राजस्व रिकॉर्ड में एंट्री प्रभावित होगी। सरकार के लिए परेशानी यह है कि बिना दश्तावेज वाली जिन संपत्तियों को पहले ही 'वक्फ वाई यूजर' घोषित करके वक्फों द्वारा कब्जा कर लिया गया है, उन्हें कैसे वापिस लिया जाएगा।

सरकार को इस मामले में अदालत से दोबारा विचार करने के लिए कहना होगा। यह ठीक है कि 'वक्फ वाई यूजर' बोलकर अब किसी की संपत्ति पर वक्फ बोर्ड नाजायज कब्जा नहीं कर सकता लेकिन जिन संपत्तियों पर कब्जा कर लिया गया है, उनके बारे में भी विचार करने की जरूरत है। हमें याद रखना होगा कि वक्फों द्वारा लाखों एकड़ सरकारी और गैर-सरकारी भूमि इस तरीके से कब्जा कर ली गई हैं।

नए कानून में प्रावधान किया गया था कि केन्द्रीय वक्फ बोर्ड परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिम भी सदस्य बन सकते हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि गैर-मुस्लिम बहुमत बनाकर हमारे धार्मिक मामलों में हश्तक्षेप कर सकते हैं। केन्द्र सरकार का कहना था कि ऐसा नहीं होगा क्योंकि गैर-मुस्लिम सदस्यों की संख्या 2-4 तक ही होगी।

अदालत ने भी यह बात मान ली है और कहा है कि केन्द्रीय वक्फ परिषद में 22 में से अधिकतम 4 और राज्य वक्फ बोर्डो में 11 में से अधिकतम 3 सदस्य गैर-मुस्लिम हो सकते हैं। नए कानून में वक्फ बोर्ड के सीईओ का मुस्लिम होना अनिवार्य नहीं है। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि सीईओ का मुस्लिम होना अनिवार्य होना चाहिए। अदालत ने याचिकाकर्ताओं की मांग को ठुकरा दिया है लेकिन कहा है कि जहां तक संभव हो सीईओ मुस्लिम ही होना चाहिए।

नए कानून में प्रावधान किया गया है कि वक्फ संपत्ति की लिखित रजिस्ट्री व पंजीकरण होना चाहिए जबकि पहले मौखिक रूप से भी किसी संपत्ति को वक्फ घोषित किया जा सकता था। याचिकाकर्ता चाहते थे कि पुराना प्रावधान लागू होना चाहिए और मौखिक वक्फ भी मान्य होना चाहिए।

केन्द्र सरकार का कहना था कि इस प्रावधान से वक्फ संपत्तियों में पारदर्शिता और जवाबदेही बनेगी और फर्जी वक्फ के मामले रुक जाएंगे। अदालत ने इस मामले में सरकार की बात मान ली है और इस प्रावधान पर रोक लगाने से इंकार कर दिया है। अदालत का कहना है कि यह प्रावधान 1995 और 2013 के कानून में था और सरकार ने इसे दोबारा लागू किया है। विपक्षी दलों के कुछ नेता अदालत के फैसले से खुश हैं।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का कहना है कि सरकार ने यह कानून जल्दबाजी में बनाया था, इस पर बहस होती तो यह कानून नहीं बनता। अजीब बात यह है कि इस कानून को संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया था, जिसके सामने सबको अपनी बात रखने का मौका दिया गया था। देखा जाए तो इस कानून पर लंबी बहस हुई थी। पवन खेड़ा और कितनी बहस चाहते हैं।

वक्फ बोर्ड बहुत से मुस्लिम देशों में हैं लेकिन ऐसा कानून किसी भी देश में नहीं है। वाश्तव में वक्फ बोर्ड सिर्फ वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन का काम करता है, उसका यह काम नहीं है कि वो लोगों की जमीनों पर कब्जा करे। मुस्लिम देशों में वक्फ के पास जमीन दान देने से आती है जबकि भारत में वक्फ बोर्ड के पास जमीन कब्जे से आ रही है।

1995 में कांग्रेस सरकार ने वक्फ कानून में संशोधन करके वक्फ बोर्डों को लैंड माफिया में बदल दिया था। वक्फ बोर्ड सरकारी और गैर-सरकारी जमीनों पर कब्जा करने लगे थे क्योंकि उन्हें वक्फ वाई यूजर का हथियार मिल गया था। उन्हें किसी की जमीन पर कब्जा करने के लिए किसी कागज की जरूरत नहीं थी। उनका यह मानना ही काफी था कि वो जमीन वक्फ की है। अदालत में भी इस कब्जे को चुनौती नहीं दी जा सकती थी। बेशक नए कानून से ये नाजायज कब्जे बंद हो जाएंगे लेकिन सवाल यह है कि लाखों एकड़ जमीनों पर किए गए कब्जों का क्या होगा।

ऐसा लग रहा है कि यह कानून अभी भी अधूरा है क्योंकि वक्फ बोर्ड का काम केवल प्रबंधन का है, जो कि मुस्लिम देशों में भी होता है लेकिन हमारे देश के वक्फ बोर्डों के पास कब्जा की गई जमीनें हैं। यह कानून तभी पूरा माना जाएगा, जब कब्जा की गई जमीनें वापिस मिल जाएँगी।

कितनी अजीब बात है कि एक आदमी पूरे जीवन मेहनत करके कमाई गई पूंजी से जमीन खरीदे और अचानक वक्फ बोर्ड आए और उसकी जमीन वक्फ बताकर छीन ले। वो बेचारा रोता रहे और उसकी सुनवाई कहीं न हो। कमाल की बात है कि संविधान होते हुए भी ऐसे पीड़ितों के लिए अदालत का दरवाजा भी बंद कर दिया गया था।

मोदी सरकार ने कानून बनाकर यह अन्याय बंद कर दिया है लेकिन जो अन्याय हो चुका है, उसका भी हिसाब होना चाहिए। दूसरी बात यह है कि वक्फ की जमीन का इश्तेमाल कब्रिश्तान, मस्जिद, शैक्षणिक संस्थान और गरीबों के फायदे के लिए किया जा सकता है लेकिन वक्फ बोर्ड के पास लाखों एकड़ भूमि होने के बावजूद गरीब मुस्लिम जमीन के लिए सरकार के सामने खड़े रहते हैं।

इसका कारण यह है कि वक्फ की संपत्तियों का गलत इश्तेमाल हो रहा है। अदालत को इस कानून पर फिर विचार करने की जरूरत है। यह देखना जरूरी है कि भविष्य में इस कानून का गलत इश्तेमाल न हो लेकिन यह भी सुनिश्चित करना जरूरी है कि जो गलत इश्तेमाल हो चुका है, उसे भी ठीक किया जाए।

# माओवादी का शांति प्रस्ताव,रणनीति या हताशा

अशोक मधुप

हाल ही में, झारखंड में माओवादी संगठन, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) ने एक शांति प्रश्ताव जारी कर केंद्र और राज्य सरकारों को चौंका दिया है। इस प्रश्ताव में उन्होंने एक महीने के लिए संघर्ष विराम और शांति वार्ता की मांग की है।

यह पहली बार नहीं है कि माओवादियों ने शांति की बात की है, लेकिन जिस समय यह प्रश्ताव आया है, वह इसके पीछे के निहितार्थों को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। यह प्रश्ताव ऐसे समय में आया है जब झारखंड सहित पूरे देश में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए जा रहे आक्रामक अभियानों में माओवादियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा।

माओवादियों का शांति प्रश्ताव दो पृष्ठों का एक पत्र है, जिसे उनके केंद्रीय समिति के प्रवक्ता अभय द्वारा जारी किया गया है। इस पत्र में उन्होंने सरकार से एक महीने के लिए संघर्ष विराम घोषित करने, तलाशी अभियान बंद करने और शांति वार्ता के लिए एक अनुकूल माहौल बनाने की अपील की है।

उन्होंने यह भी कहा है कि वे वीडियो कॉल के माध्यम से भी सरकार से बात करने को तैयार हैं।

इस प्रश्ताव के पीछे के कारणों को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही हैं। सबसे पहला और सबसे महत्वपूर्ण कारण यह है कि माओवादी लगातार हो रही मुठभेड़ों से बुरी तरह से घिर गए हैं। पिछले कुछ महीनों में, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलताएं मिली हैं। करोड़ों रुपये का इनामी कई शीर्ष माओवादी कमांडर मुठभेड़ों में मारे गए हैं।

झारखंड के हजारीबाग में सुरक्षाबलों ने एक करोड़ रुपये के इनामी माओवादी कमांडर सहदेव सोरेन और दो अन्य नक्सलियों को मार गिराया है। यह एक बड़ी सफलता है क्योंकि सहदेव सोरेन बिहार-झारखंड के विशेष क्षेत्र समिति का सदस्य था। इसी तरह, छत्तीसगढ़ में भी सुरक्षाबलों ने एक करोड़ के इनामी मोडेम बालकृष्ण सहित कई नक्सलियों को ढेर किया है। ये ऑपरेशन सरकार द्वारा 2026 तक देश को नक्सल मुक्त बनाने के लक्ष्य का हिस्सा हैं।

लगातार मुठभेड़ों और शीर्ष कमांडरों के मारे जाने से माओवादी संगठन की कमर टूट रही है। उनके कैडर हताश हो रहे हैं और नए लड़ाकों की भर्ती भी मुश्किल हो रही है। उनके हथियार और गोला-बारूद भी लगातार जब्त हो रहे हैं। ऐसे में, यह शांति प्रश्ताव उनकी रणनीति का हिस्सा हो सकता है, ताकि वे कुछ समय के लिए राहत पा सकें। अपने बिखरे हुए कैडरों को फिर से संगठित कर सकें और अपनी ताकत को फिर से बढ़ा सकें। यह सवाल महत्वपूर्ण है कि क्या माओवादी लगातार हो रही मुठभेड़ों से डर गए हैं। इसका सीधा जवाब देना मुश्किल है, लेकिन कई संकेत इस ओर इशारा करते हैं।

माओवादी आंदोलन का नेतृत्व आमतौर पर बेहद अनुभवी और कट्टर कैडरों के हाथ में होता है। लेकिन, पिछले कुछ सालों में, सुरक्षाबलों ने लक्षित अभियानों के माध्यम से उनके शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाया है। जब संगठन के रणनीतिकार और कमांडर मारे जाते हैं, तो निचले श्तर के कैडर हताश हो जाते हैं और उनका मनोबल गिर जाता है।

सरकार की विकास नीतियों और पुनर्वास कार्यक्रमों के कारण माओवादियों का जन समर्थन भी कम हुआ है। पहले, उन्हें आदिवासी समुदायों से काफी समर्थन मिलता था, लेकिन अब कई आदिवासी समुदाय मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सड़कें, स्कूल, अस्पताल और संचार सेवाएं पहुंचाई हैं, जिससे लोगों का माओवादियों पर भरोसा कम हुआ है। सुरक्षाबलों ने माओवादियों के खिलाफ अपनी रणनीति में काफी सुधार किया है। अब वे केवल जवाबी कार्रवाई नहीं करते, बल्कि खुफिया जानकारी के आधार पर लक्षित और आक्रामक अभियान चलाते हैं। ड्रोन, बेहतर संचार तकनीक और स्थानीय पुलिस के साथ तालमेल ने सुरक्षाबलों को माओवादियों पर भारी पड़ने में मदद की है।

यह भी संभव है कि माओवादी अपनी पारंपरिक युद्ध रणनीति, जिसे 'गुरिल्ला युद्ध' कहा जाता है, में बदलाव लाना चाहते हों। जब वे सीधे टकराव में हार रहे हैं, तो वे वार्ता की मेज पर आकर अपनी शर्तों को मनवाने की कोशिश कर सकते हैं।

माओवादियों के शांति प्रश्ताव पर सरकार का रुख सतर्क और स्पष्ट है। सरकार ने उनकी सशर्त पेशकश को नकार दिया है और कहा है कि अगर माओवादी बिना शर्त शांति वार्ता चाहते हैं, तो सरकार तैयार है। गृह मंत्री अमित शाह ने बार-बार कहा है कि सरकार का लक्ष्य 2026 तक देश को नक्सल मुक्त बनाना है, और इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए अभियान जारी रहेगा।सरकार की सशर्त पेशकश को नकारने का कारण यह है कि माओवादियों ने पहले भी शांति प्रश्ताव का उपयोग अपनी ताकत को फिर से संगठित करने के लिए किया है। सरकार जानती है कि अगर वे तलाशी अभियान बंद करते हैं, तो माओवादियों को फिर से पैर जमाने का मौका मिलेगा। इसलिए, सरकार का रुख स्पष्ट हैः या तो आत्मसमर्पण करो या फिर परिणाम भुगतो।

यह शांति प्रश्ताव माओवादी आंदोलन के अंत की शुरुआत का संकेत हो सकता है। लगातार हो रहे नुकसान, जन समर्थन की कमी और सरकार की सख्त नीतियों ने उन्हें एक ऐसे मोड़ पर ला दिया है, जहां उनके पास बहुत कम विकल्प बचे हैं। अब, उन्हें यह तय करना है कि वे बंदूकें छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होते हैं या फिर अपने खात्मे की राह पर आगे बढ़ते हैं।

यह भी संभव है कि माओवादी संगठन के अंदर ही अलग-अलग गुटों में मतभेद हों। कुछ गुट शांति वार्ता के पक्ष में हों, जबकि कुछ गुट अभी भी सशस्त्र संघर्ष जारी रखना चाहते हों। इस तरह के मतभेद संगठन की आंतरिक कमजोरी को दर्शाते हैं।

झारखंड के माओवादियों का शांति प्रश्ताव उनकी मजबूरी और हताशा का परिणाम प्रतीत होता है। लगातार हो रही मुठभेड़ों और शीर्ष कमांडरों के मारे जाने से उनका संगठन कमजोर हुआ है और उनके पास संघर्ष को जारी रखने के लिए पर्याप्त ताकत नहीं बची है। सरकार का सख्त रुख और पुनर्वास की नीतियां उन्हें आत्मसमर्पण करने या बातचीत के लिए मजबूर कर रही हैं। हालांकि, यह देखना बाकी है कि यह प्रश्ताव वाश्तव में शांति की दिशा में एक कदम है या केवल एक रणनीतिक चाल। लेकिन एक बात निश्चित है कि माओवादी आंदोलन अपने सबसे कमजोर दौर से गुजर रहा है, और यह संभवतः भारत में वामपंथी उग्रवाद के अंत की शुरुआत है।

हाल ही में, एक वरिष्ठ माओवादी महिला लीडर पद्मावती उर्फ सुजाता उर्फ कल्पना ने तेलंगाना पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है। सुजाता माओवादी पार्टी की केंद्रीय समिति की एकमात्र महिला सदस्य थी और उस पर 65 लाख से एक करोड़ रुपये तक का इनाम घोषित था। वह छत्तीसगढ़ में दंडकारण्य क्षेत्र की प्रभारी थी और उसके खिलाफ 70 से अधिक मामले दर्ज थे। उसका आत्मसमर्पण माओवादी आंदोलन के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है।

**लेखकर वरिष्ठ पत्रकार है।**

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
**फोन:** 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

## के इंजन से निकला 5 फीट लंबा अजगर, वन विभाग ने रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

शहर कोतवाली क्षेत्र की आवास विकास कॉलोनी में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक कार के इंजन से अचानक अजगर निकल आया। गाड़ी मालिक ने जैसे ही बोनट खोला, तो इंजन के पास बैटरी के पास अजगर बैठा नजर आया। मामले की सूचना तत्काल वन विभाग को दी गई।

वन क्षेत्राधिकारी महेश गौतम की देखरेख में टीम मौके पर पहुंची और करीब 45 मिनट की मशक्कत के बाद अजगर को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। बाद में उसे वन आरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया। वन क्षेत्राधिकारी ने बताया कि पकड़े गए अजगर की लंबाई लगभग 5 फीट और वजन करीब 20 किलो है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं अक्सर बारिश या मौसम बदलने पर सामने आती हैं। रेंजर ने वाहन मालिकों से अपील की कि जो लोग अपनी गाड़ियां घर के बाहर, खाली प्लॉट या जंगल के किनारे खड़ी करते हैं, वे सावधानी बरतें।

गाड़ी में बैठने से पहले उसे अच्छी तरह जांच लें, क्योंकि कई बार जहरीले सांप भी वाहनों में घुस जाते हैं, जिससे बड़ा हादसा हो सकता है। साथ ही उन्होंने यह भी सलाह दी कि बाहर खड़ी गाड़ियों के आसपास काला फिनायल या सरसों के दाने डालें। इससे सांप नजदीक नहीं आते।

उन्होंने चेतावनी दी कि ड्राइविंग के दौरान सांप के काट लेने की स्थिति बेहद खतरनाक हो सकती है, इसलिए हर किसी को सतर्क रहना चाहिए।

## नूरपुर में तहसीलदार की कार्रवाई, अवैध मिट्टी खनन पर दो ट्रैक्टर-ट्राली सीज

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जिले में अवैध मिट्टी खनन पर प्रशासन ने बड़ी कार्यवाही करते हुए खनन माफियाओं पर नकेल कस दी है। तहसीलदार ने टीम के साथ छापेमारी कर मौके से दो ट्रैक्टर-ट्राली और एक लोडर को सीज कर दिया।

जानकारी के अनुसार थाना नूरपुर क्षेत्र के धामपुर रोड स्थित एक कॉलोनी में खुलेआम अवैध मिट्टी खनन किया जा रहा था। खनन माफिया दिन के उजाले में ही नियमों को ताक पर रखकर ट्रैक्टर-ट्राली व लोडर से मिट्टी निकालकर कॉलोनी में डाल रहे थे। इसकी सूचना मिलते ही तहसीलदार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और छापेमारी कर दी।

प्रशासन की अचानक हुई इस कार्यवाही से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि लंबे समय से इस क्षेत्र में अवैध खनन का खेल चल रहा था, जिससे सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हो रहा था। तहसीलदार ने बताया कि अवैध खनन किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियमों के खिलाफ मिट्टी खनन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल सीज की गई ट्रैक्टर-ट्राली और लोडर को थाने में खड़ा कराया गया है और संबंधितों पर कानूनी कार्यवाही की जा रही है। प्रशासन की इस कार्यवाही से स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है और उम्मीद जताई है कि आगे भी इस तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

## नरगदी खोशपुरा में बंदरों ने मचाया आतंक

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

गुलदार के बाद क्षेत्र में बंदरों के आतंक है। अचानक तीन दिन में 50 से अधिक बंदरो की फ़ौज ने खेतो में भारी नुकसान किया। किसान पहरा देकर फसल बचाने को मजबूर है। नरगदी खोशपुरा के किसानों का आरोप है कि तीन दिनों से 50 से ज्यादा बंदरों की संख्या गांव में आ गई है। जिस कारण ग्रामीण ओर किसान परेशान है।

बंदरो की फ़ौज किसानों की गन्ने की फसल को भारी नुकसान पहुंचा रही है। बुधवार को ग्रामीणों ने खोशपुरा के शिव मंदिर पर अनाउंसमेंट कराई। भारी संख्या में ग्रामीण एकत्रित होकर बंदरों को भगाने के लिए निकले। किसान कुलबीर चौधरी, कलवा, दीपेंद चौधरी, बाबू चौधरी, रविल शर्मा, विश्वास चौधरी, विजयपाल चौधरी, अमित चौधरी, हिमांशु चौधरी, अनुज त्यागी, विवेक चौधरी आदि का कहना है कि अभी गांव से गुलदार का डर खत्म नहीं हुआ अब बंदरों का आतंक शुरू हो चुका है। उन्होंने बंदरो को पकड़वाने ओर उन्हें वन क्षेत्र में छुड़वाने की मांग की है।

## भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना की मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

श्री विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर धीमान विश्वकर्मा सेवा समिति बैरमनगर नहटौर की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने भगवान विश्वकर्मा जी का गुणगान करते हुए समाज को शिक्षित करने व संगठित रहने का आह्वान किया।

प्राप्त समाचार के अनुसार झील कॉलोनी स्थित विश्वकर्मा धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धालुओं द्वारा हवन पूजन कार्यक्रम किया गया। जिसमें भगवान विश्वकर्मा जी से सुख शांति समृद्धि की कामना की गई। हवन कार्यक्रम में विधायक ओम कुमार ने भी प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा मेधावी छात्रों व विभिन्न क्षेत्रों में उत्कर्ष प्रदर्शन करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संदीप विश्वकर्मा, केशव शरण शर्मा, सुरेश विश्वकर्मा, कृष्ण कुमार शर्मा, प्रीतम विश्वकर्मा, मेजर चरण सिंह शर्मा, गजेंद्र सिंह, डॉ राधेश्याम शर्मा, शरद कुमार, सोनू कुमार, सुनील कुमार, निशांत शर्मा, सुभाष शर्मा, दीनदयाल शर्मा, अरुण शर्मा आदि उपस्थित रहे।

# संभल में तैनात अनुज चौधरी फिरोजाबाद में संभालेंगे जिम्मेदारी, हिंसा के बाद आए थे चर्चा में

**संभल, एजेंसी।** संभल जिले के एएसपी राजेश कुमार श्रीवास्तव और चंदौसी सीओ की जिम्मेदारी संभाल रहे एएसपी अनुज चौधरी का तबादला हो गया है। बुधवार को शासन की ओर से आदेश जारी किया गया। 24 नवंबर को जामा मस्जिद सर्वे के दौरान चर्चा में आए संभल के तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी का पिछले दिनों ही एएसपी के पद पर प्रमोशन हुआ था।

एसपी ने चंदौसी सीओ की जिम्मेदारी सौंपी हुई थी। अब उनको शासन ने जिला फिरोजाबाद में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) की जिम्मेदारी दी है। राजेश कुमार श्रीवास्तव सीतापुर में केंद्रीय आयुध भंडार के एएसपी बनाए गए हैं। प्रयागराज कमिश्नरेट के अपर पुलिस उपायुक्त कुलदीप सिंह को संभल एएसपी (उत्तरी) की कमान शासन ने दी है। अनुज चौधरी समेत कई पुलिसकर्मियों पर बवाल के दौरान गोली चलाने का आरोप लगा था, जिसमें पांच लोगों की जान गई थी। लेकिन एसआईटी की छानबीन में स्पष्ट हुआ कि गोली भीड़ से ही शारिक साठा के गुर्गों ने चलाई थी। जिसमें पांच लोगों की जान गई और चार हत्या के मामले दर्ज किए गए थे।पांचवें मृतक के परिजनों ने बिना किसी कार्रवाई के सुपुर्द ए खाक कर दिया था। इस बवाल के बाद काफी चर्चा में रहे थे। संभल कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक के दौरान उन्होंने बयान दिया था कि साल में 52 जुमे आते हैं और होली एक बार मनाई जाती है। इसलिए जिन लोगों को रंग से परहेज है वह अपने घरों में रहे। इस बयान को लेकर भी राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह से चर्चा हुई थी।

**43 एडिशनल एसपी व 13 डिप्टी एसपी के तबादले:** डीजीपी मुख्यालय ने बुधवार को 56 पीपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया, जिसमें हाल ही में डिप्टी एसपी से एडिशनल एसपी बने करीब डेढ़ दर्जन अधिकारियों को नई तैनाती प्रदान की है। संभल में तैनात अनुज कुमार चौधरी को एएसपी रैंक में प्रोन्नत होने के बाद फिरोजाबाद भेजा गया है। गोरखपुर में एएसपी सुरक्षा अनुराग सिंह को रामपुर भेजा गया है। डीजीपी मुख्यालय की सोशल मीडिया सेल में तैनात संतोष कुमार द्वितीय को भी प्रोन्नत होने के बाद गोरखपुर में एएसपी सुरक्षा बनाया गया है। आदेश के मुताबिक झांसी के एएसपी सिटी ज्ञानेंद्र कुमार सिंह को अमेठी, डीजीपी मुख्यालय की स्थापना शाखा में तैनात रंजन सिंह को डीजीपी मुख्यालय में एएसपी क्राइम, बरेली में एएसपी एलआईयू गोपी नाथ सोनी को लखनऊ कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त, एलआईयू अयोध्या में तैनात राम अर्ज को पीटीएस जालौन, सीआईडी मुख्यालय में तैनात विशाल यादव को लॉजिस्टिक मुख्यालय, नोएडा कमिश्नरेट में तैनात मनीष कुमार मिश्रा को मिर्जापुर में नक्सल ऑपरेशन, मुरादाबाद स्थित 9वीं वाहिनी पीएसी में तैनात बंशराज सिंह यादव को सीआईडी मुख्यालय भेजा गया है।

प्रयागराज कमिश्नरेट में तैनात कुलदीप सिंह प्रथम को संभल में एएसपी उत्तरी, अलीगढ़ स्थित 38वीं वाहिनी पीएसी में तैनात राजकुमार द्वितीय को 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी, खीरी में एएसपी पश्चिमी प्रकाश कुमार को बिजनौर में एएसपी ग्रामीण, प्रयागराज पीएसी में तैनात अनित कुमार को 9वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद, सीआईडी गोरखपुर की सेक्टर ऑफिसर रचना मिश्रा को पीटीएस गोरखपुर, वाराणसी कमिश्नरेट में तैनात सुशील कुमार गंगा प्रसाद को कासगंज, संभल में एएसपी उत्तरी राजेश कुमार श्रीवास्तव को केंद्रीय आयुध भंडार में तैनाती दी गई है।

, मेरठ में एएसपी ग्रामीण राकेश कुमार मिश्रा को पुलिस मुख्यालय, आगरा कमिश्नरेट में एएसपी ट्रैफिक अमिता सिंह को यूपी 112 मुख्यालय, साइबर क्राइम मुख्यालय में तैनात श्वेताभ पांडेय को ईओडब्ल्यू मुख्यालय, लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात पंकज कुमार सिंह को 20वीं वाहिनी पीएसी आजमगढ़, कासगंज में तैनात राजेश कुमार भारतीय को पीटीसी सीतापुर, भर्ती बोर्ड में तैनात मोनिका चड्ढा को 38वीं वाहिनी पीएसी अलीगढ़, यूपीपीसीएल में तैनात अंकिता सिंह को भर्ती बोर्ड, सोनभद्र पीएसी में तैनात विजय आनंद को प्रयागराज कमिश्नरेट और प्रयागराज कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त जंग बहादुर यादव को वाराणसी कमिश्नरेट भेजा गया है।

**प्रोन्नत होने वालों को मिली तैनाती :** सोनभद्र स्थित 48वीं वाहिनी पीएसी में तैनात विजय प्रताप यादव-प्रथम को वहीं उपसेनानायक बना दिया गया है। एससीआरबी में तैनात शीतांशु कुमार को पीएसी मुख्यालय, डीजीपी मुख्यालय से संबद्ध अभिषेक यादव को अयोध्या में 8वीं वाहिनी एसएसएफ, एटा में तैनात अमित कुमार राय को खीरी में एएसपी पश्चिमी, आगरा कमिश्नरेट में तैनात आनंद कुमार पांडेय को देवरिया में एएसपी उत्तरी बनाकर भेजा गया है। एटीएस में तैनात अभिषेक सिंह को एएसपी बना दिया गया है। कानपुर स्थित केंद्रीय वस्त्र भंडार में तैनात प्रभात कुमार द्वितीय को सीआईडी मुख्यालय भेजा गया है।

## यूपी में बारिश और बिजली गिरने से 10 की मौत, सबसे ज्यादा जौनपुर में गई तीन लोगों की जान

**लखनऊ , एजेंसी।** उत्तर प्रदेश में बारिश और बिजली गिरने से 10 लोगों की मौत हो गई जबकि 13 लोग झुलस गए। सबसे ज्यादा जौनपुर में तीन लोगों की मौत हुई है। सोनभद्र में म्योरपुर थाना क्षेत्र के काचन गांव में मंगलवार रात एक घर पर बिजली गिरने से अंशिका (13) की मौत हो गई। इसी तरह मिर्जापुर में हलिया के सुखरा बांध के पास बुधवार दोपहर जंगल से लकड़ी लेकर घर आ रही उर्मिला (45) की बिजली गिरने से मौत हो गई। वहीं, अहुगी कला गांव में बिजली गिरने से पांच लोग झुलस गए।

इसी तरह जौनपुर जिले के सुल्तानपुर गौर गांव में किशन (15), अतुल (13) की बिजली गिरने से मौत हो गई। दोनों बारिश से बचने के लिए पेड़ के नीचे खड़े थे। वहीं नोनारी भुड़कुड़हा गांव में धान के खेत में खाद डालते समय बिजली गिरने से किसान बहादुर गौतम (50) की मौत हो गई।

वहीं, प्रयागराज के कोरांव तहसील के नेवढ़िया में बकरी चराने गए महेश उर्फ बबलू (20), करछना में 16 वर्षीय अभिषेक पटेल पुत्र शिवा लाल पटेल व मेजा थाना क्षेत्र के भैंया गांव के पशुपालक फूलचंद्र पाल (62) की बारिश के दौरान बिजली गिरने से मौत हो गई।

अवध में सुल्तानपुर के कादीपुर खुर्द गांव में बारिश के दौरान दीवार गिरने से मलबे में दबकर बृद्ध मंगरू (59) की मौत हो गई। वहीं, अमेठी के इंदरिया गांव में बुधवार सुबह जगजीवन विश्वकर्मा के तीन वर्षीय बेटे दिव्यांश ने कच्ची दीवार के मलबे में दबकर दम तोड़ दिया।

## यूपी के धार्मिक व पर्यटन स्थलों पर 27 से सजेगी सुर साधना, लोक कलाकार देंगे प्रस्तुतियां

**लखनऊ , एजेंसी।** उत्तर प्रदेश में पर्यटकों के साथ-साथ आम लोगों को भी लोक कलाओं की तरफ आकर्षित करने की कवायद संस्कृति विभाग ने शुरू की है। इसके तहत प्रदेश के चयनित धार्मिक व पर्यटन स्थलों पर शनिवार व रविवार को लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां होंगी। संस्कृति विभाग की ओर से इसके लिए 27 सितंबर से सुर साधना की विधिवत शुरुआत की जा रही है।

संस्कृति विभाग की ओर से सुर साधना के लिए प्रदेश के लगभग दो दर्जन स्थानों का चयन किया गया है। यहां पर लोकगायन, भजन-कीर्तन, लोकनृत्य-लोकनाट्य, कठपुतली व जादू, शास्त्रीय गायन व वादन, किस्सागोई, दास्तानगोई, काव्य पाठ आदि की प्रस्तुति होगी।

पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस आयोजन में प्रदेश के पंजीकृत लोक कलाकारों को मंच दिया जाएगा। इसमें स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्हें पांच से 15 हजार तक मानदेय दिया जाएगा।

### इन प्रमुख स्थलों का किया चयन

लखनऊ में जनेश्वर मिश्र पार्क व कुड़िया घाट, सीतापुर में नैमिषारण्य धाम, अयोध्या में राम की पैड़ी, बलरामपुर में देवीपाटन मंदिर, सहारनपुर में मां शाकुंभरी देवी मंदिर, वाराणसी में नया अस्सी घाट, गोरखपुर में रामगढ़ताल, भदोही में सीता समाहित स्थल, आगरा में बटेश्वर धाम, विंध्याचल में विंध्यवासिनी देवी मंदिर, वृंदावन में प्रेम मंदिर, मुजफ्फरनगर में शुक तीर्थ, हापुड़ में गढ़मुक्तेश्वर, मैनपुरी में शीतला माता मंदिर, प्रयागराज में त्रिवेणी घाट, चित्रकूट में रामघाट, झांसी में झांसी का किला, मथुरा में कुसुमवन सरोवर, बदायूं में डायट ऑडिटोरियम, विकास भवन आदि स्थल शामिल हैं।

## अधिवक्ता- दरोगा पिटाई प्रकरण में 11 सदस्यीय कमेटी गठित, अधिकारियों संग करेगी बैठक

**वाराणसी, एजेंसी।** कचहरी में दरोगा मिथिलेश प्रजापति की पिटाई मामले में 10 नामजद समेत 60 अज्ञात अधिवक्ताओं पर दर्ज मुकदमे से अधिवक्ताओं में उबाल है। न्यायिक कार्यों से विरत नाराज अधिवक्ताओं ने बुधवार को कचहरी परिसर में जुलूस निकालकर नारेबाजी और मुकदमे रद्द किए जाने की मांग की। पुलिस-अधिवक्ता गतिरोध खत्म करने को लेकर सेंट्रल बार एसोसिएशन के सभागार में हुई बैठक के दौरान सेंट्रल बार और बनारस बार के वर्तमान व पूर्व पदाधिकारियों की कुल 11 सदस्यीय कमेटी गठित की गई। यह कमेटी बृहस्पतिवार को अफसरों के साथ बैठक करेगी।

दरोगा पर हमले में दर्ज मुकदमे में विवेचना पूरी होने तक गिरफ्तारी न किए जाने, समिति की निगरानी में साक्ष्यों के परीक्षण, समिति को भरोसे में रखकर विवेचना पूरी करने समेत अन्य बिंदुओं पर बातचीत होगी। कमेटी में सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मंगलेश दुबे, महामंत्री राजेश गुप्ता, बनारस बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सतीश तिवारी, महामंत्री शशांक श्रीवास्तव, सेंट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष रामजन्म सिंह, सुरेश श्रीवास्त, मोहन यादव, विवेक शंकर तिवारी, बनारस बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अवधेश सिंह, राजेश मिश्रा, पूर्व महामंत्री नित्यानंद राय शामिल हैं।

सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मंगलेश दुबे ने कहा कि दरोगा पर हमले में दर्ज मुकदमे में नामजद एवं अज्ञात अधिवक्ताओं पर किसी तरह की उत्पीड़नात्मक कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। इसके लिए यह कमेटी बृहस्पतिवार को जिला जज जयप्रकाश तिवारी, पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल, डीएम सत्येंद्र कुमार से समय लेकर उनके साथ बैठक करेगी। बैठक में प्रेम शंकर पांडेय, विजय शंकर रस्तोगी, अशोक उपाध्याय, अजय श्रीवात्सव, कमलेश यादव, घनश्याम सिंह पटेल समेत 80 अधिवक्ता शामिल थे।अधिवक्ताओं की पिटाई से घायल दरोगा मिथिलेश प्रजापति को बीएचयू स्थित ट्रॉमा सेंटर से बुधवार की शाम 5 बजे के बाद डिस्चार्ज किया। चिकित्सकों ने दरोगा को बेडरेस्ट की सलाह दी है।

## मिर्जापुर में हुई प्रतियोगिता में नहटौर के दो खिलाड़ियों ने जीते मेडल

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

मिर्जापुर में 69 वी प्रदेशीय माध्यमिक विद्यालयीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में

नहटौर के दो खिलाड़ियों ने मेडल प्राप्त कर नहटौर का नाम रोशन किया। उनके यहां पहुंचने पर दोनों खिलाड़ियों का स्वागत किया गया।

प्राप्त समाचार के अनुसार जनपद मिर्जापुर में 13 सितंबर से 17 सितंबर तक आयोजित हुई 69 वी प्रदेशीय माध्यमिक विद्यालयीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में एसएनएसएम इंटर कॉलेज नहटौर से कक्षा 10 की छात्रा जाह्नवी सैनी पुत्री सुखबीर सिंह सैनी निवासी ग्राम खेड़ी जट ने अंडर 17 बालिका वर्ग के अंडर 52 किलोग्राम में सिल्वर मेडल तथा बलराम कुंवर सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज से कक्षा 11 की छात्रा इशू शर्मा पुत्री हेमंत कुमार शर्मा निवासी मोहल्ला जोशियान नहटौर ने अंडर 17 बालिका वर्ग के अंडर 55 किलोग्राम में ब्राउज मेडल प्राप्त किया।

दोनों खिलाड़ियों का उनके निवास स्थान, स्कूल तथा नहटौर ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एकेडमी में पहुंचने पर फूल मालाओं से स्वागत किया गया।

कोच चमन सैनी ने बताया कि दोनों ही खिलाड़ी काफी मेहनती हैं जो कि अपनी पढ़ाई के साथ-साथ ताइक्वांडो एकेडमी में आकर ट्रेनिंग भी प्राप्त कर रही हैं।

जिला बिजनौर ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव राजू राजपूत, एसएनएसएम इंटर कॉलेज नहटौर के प्रबंधक दर्पण त्यागी, प्रधानाचार्य दुष्यंत कुमार त्यागी, वासु त्यागी तथा बलराम कुंवर सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमार शर्मा ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य कामना की

## केवी विद्युत उपकेंद्र झालू पर लगा मेगा कैंप

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

नगर के 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र पर लगाया गया विद्युत समाधान शिविर मेगा कैंप। विद्युत मेगा कैंप लगाकर क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं की सनी समस्याएं।

33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र झालू पर विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान हेतु उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार विद्युत विभाग के द्वारा विद्युत समाधान मेगा कैंप लगाया गया जिसमें नगर क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं ने अपनी-अपनी विद्युत की समस्याएं रखी। झालू बिजलीघर के अवर अभियंता सुदेश कुमार ने बताया कि कैंप के माध्यम से 36 विद्युत वकायेदारों के कनेक्शन काटे गए।

जिन पर 2 लाख 29 हजार बकाया था साथ ही 110 विद्युत कनेक्शन के उपभोक्ताओं से 2 लाख 15 हज़ार की धनराशि भी जमा की गई। इसी के साथ-साथ विद्युत मेगा कैंप में 9 मीटर से संबंधित शिकायतें आई तथा 8 विद्युत मीटर भी बदले गए। इस अवसर पर विद्युत मेगा कैंप में उपखंड अधिकारी अरविंद कुमार बिंद,टीजी द्वितीय खड़क सिंह,टीजी द्वितीय विशांत,टीजी द्वितीय अमित कुमार,टीजी द्वितीय लक्की,पुष्पेंद्र बिलिंग बाबू,नरेंद्र कपिल आदि उपस्थित रहे।

**कैम्प के माध्यम से विद्युत उपभोक्ताओं की दूर होती है समस्याएं : अरविंद बिंद**

**झालू।** विद्युत समाधान शिविर मेगा कैंप के बारे में जब विद्युत उपखंड अधिकारी अरविंद कुमार बिंद से वार्ता हुई तो उन्होंने बताया कि विद्युत उपभोक्ताओं की विद्युत समस्याओं के निश्तारण के लिए ही विद्युत कैम्प लगाए जाते हैं जिससे विद्युत उपभोक्ता आसानी पूर्वक अपनी शिकायत मेगा कैम्प में रखते हैं उनकी समस्याएं सुनी जाती हैं और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के तौर पर कराया जाता है।

**विभाग के द्वारा समय-समय पर लगाए जाते है कैम्प : अजय कुमार कैम**

**झालू।** 33/11 केवी विद्युत केंद्र झालू पर लगाए गए विद्युत मेगा कैम्प के बारे में जब अधिशासी अभियंता अजय कुमार कैम बिजनौर से वार्ता हुई तो उन्होंने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार समय-समय पर विभाग द्वारा विद्युत समाधान शिविर लगाए जाते है जिससे उस क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ता इधर-उधर परेशान न हो तथा जिन विद्युत उपभोक्ताओं को विद्युत संबंधित कोई भी शिकायत होती है तो वह विधुत कैम्पों में जाकर अपनी शिकायत रखकर उसका समाधान करा सकते हैं उन्होंने समय-समय पर आयोजित किए जाने वाले विद्युत मेगा कैम्प का लाभ उठाने के लिए विद्युत उपभोक्ताओं से अपील भी की।

मेगा कैम्प के सम्बन्ध के जब विद्युत अधीक्षण अभियंता बिजनौर उदय प्रताप ने बताया कि विद्युत विभाग द्वारा लगाए जा रहे इन कैंपों में विद्युत उपभोक्ताओं को मीटर सही बिल संबंधित जानकारी के साथ-साथ विद्युत उपभोक्ताओं की जो भी विद्युत संबंधित समस्याएं होती हैं। उन्हें सुना जाता है और निश्तारण करने का भी पूर्ण प्रयास किया जाता है।

# भाकियू टिकैत ने 7 सूत्रीय मांग पत्र एसडीएम नजीबाबाद को सौंपा

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

भारतीय किसान यूनियन टिकैत की मासिक पंचायत तहसील प्रांगण नजीबाबाद में संपन्न हुई जिसमें 7 सूत्रीय ज्ञापन उप जिलाधिकारी नजीबाबाद शैलेंद्र कुमार को सौंपा गया।

जिसमें मुख्य मांगे वन विभाग डीएफओ को संबोधित हिंसक पशु गुलदार के द्वारा हो रही जनहानि को लेकर पर विभाग को सचेत किया गया कि जहां-जहां भी ग्रामीणों द्वारा गुलजार को देखे जाने की पुष्टि हुई है।

उन सभी बिंदुओं पर पिंजरे लगाई जाए इस पर संज्ञान लेते हुए डीएफओ के प्रतिनिधि रेंजर कोडिया सचिन शर्मा ने बिंदु नोट किए और शीघ्र वहां पर पिंजरा लगाने की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया।

दूसरा मुख्य मुद्दा बिजली विभाग द्वारा बिजली बिलों में हो रही गड़बड़ इसी प्रकार सप्लाई इंस्पेक्टर और लोक निर्माण विभाग के को भी विभाग से संबंधित समस्याओं के बारे में अवगत कराते हुए यथाशीघ्र समाधान करने का आश्वासन एसडीएम द्वारा दिया गया।

सभा स्थल पर सैकड़ो किसानो की भीड़ उपस्थित रही जिला अध्यक्ष सुखविंदर सिंह, जिला उपाध्यक्ष चतुर चौधरी, शहजाद मलिक, चौधरी जगदीश सिंह और जितेंद्र हुड्डा, तहसील अध्यक्ष धामपुर विनीत कुमार ने संबोधित करते हुए अपने विचार व्यक्त किये। मीटिंग में संगठन से जुड़े काफी लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई जिसमें जिला प्रवक्ता पुष्पेंद्र चौधरी ,कपिल कुमार, सुधीर चौधरी, शहजाद गढ़पुरा, जाकिर मलिक, विपिन ठाकुर, पुष्पेंद्र चौधरी, विकास कुमार, सतपाल शर्मा, कृष्ण कुमार पाल, राजकुमार चौधरी, सुरेंद्र सिंह, तहसील प्रभारी सुनील कुमार, अखिलेश चौधरी आदि लोग उपस्थित रहे।

पूर्व मीडिया सहायक सूरज कुमार निवासी बाजोपुर को प्रोन्नत करते हुए युवा तहसील अध्यक्ष नजीबाबाद के पद पर मनोनीत किया गया। जिला अध्यक्ष चौधरी सुखविंदर सिंह ने सभा स्थल पर इस विषय में निर्णय लेते हुए कहा कि सूरज कुमार काफी सक्रिय भूमिका संगठन में अब तक निभाते आए हैं उनकी सक्रियता और कर्तव्य निष्ठा को देखते हुए तथा मीडिया में उनकी सहभागिता को देखते हुए उन्हें युवा तहसील अध्यक्ष का महत्वपूर्ण जिम्मेदार बड़ा पद सोपा जाता है उम्मीद है वह अपनी कार्य शैली से इस पद की गरिमा और बढ़ाएंगे।

## कोतवाली मार्ग पर नियंत्रित बाइक पलटने से युवक घायल

**एनसीआर टुडे. नहटौर।** कोतवाली मार्ग पर घर वापस जा रहे एक बाइक सवार की बाइक अनियंत्रित होने पर बाइक सवार घायल हो गया। रहागीरों की मदद से उसे सीएससी में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

ग्राम महेश्वरी थाना कोतवाली देहात निवासी अमरकांत शर्मा पुत्र मुनेश मंगलवार के शाम को नहटौर कोतवाली मार्ग से अपने गांव वापस जा रहा था।फुलसन्दा के निकट उसकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गए जिससे सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।तथा राहगीरों की मदद से उसे सीएससी मे भर्ती कराया गया उसकी हालत को देखकर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

# यूएई टीम में कोई भारतीय या पाकिस्तानी नहीं, हम एक परिवार हैं : कप्तान मोहम्मद वसीम

**दुबई (एजेंसी)।** एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही तनातनी का असर जहां दोनों टीमों और उनके क्रिकेट बोर्डों पर साफ दिख रहा है, वहीं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) टीम ने खेल भावना का शानदार उदाहरण पेश किया है। टीम के कप्तान मोहम्मद वसीम ने साफ किया कि उनकी टीम में खिलाड़ी चाहे भारतीय मूल के हों या पाकिस्तानी, सभी खुद को सिर्फ यूएई का प्रतिनिधि मानते हैं।

**टीम में बराबर हैं भारतीय और पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ी** - यूएई क्रिकेट टीम की खासियत यह है कि इसमें भारतीय और पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों की बराबर संख्या है। भारतीय मूल के खिलाड़ियों में सिमरनजीत सिंह, राहुल चोपड़ा, हर्षित कौशिक, ध्रुव पराशर और अलीशान शराफू शामिल हैं। वहीं, दूसरी तरफ पाकिस्तान के मुल्तान में जन्मे कप्तान मोहम्मद वसीम, हैदर अली, जुनैद सिद्दीकी, मुहम्मद रोहिद और आसिफ खान टीम का हिस्सा हैं। हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के खिलाड़ियों ने पाकिस्तान टीम से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था, जिसके चलते विवाद गहरा गया, लेकिन वसीम ने अपनी टीम के माहौल को सकारात्मक बताया।

**हम यूएई टीम के लिए खेलते हैं** - तनाव का टीम के रिश्तों पर असर पड़ने के सवाल पर वसीम ने साफ इनकार किया। उन्होंने कहा,नहीं, हम उस तनाव के बारे में बात नहीं कर रहे हैं क्योंकि हम साथ में काफी क्रिकेट खेलते हैं। हम यहां एक परिवार की तरह हैं। यहां कोई भारतीय या पाकिस्तानी नहीं है। हम यूएई टीम के लिए खेलते हैं। हम एक परिवार की तरह खेलते हैं और एक परिवार की तरह रहते हैं। वसीम के इस बयान ने साफ कर दिया कि यूएई टीम ने बाहरी विवादों को अपने ड्रेसिंग रूम में जगह नहीं दी है।

**भारत-पाकिस्तान विवाद ने बढ़ाया तनाव** - मौजूदा टूर्नामेंट में तनाव तब और बढ़ गया जब रविवार को टॉस के दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया। मैच के बाद भी भारतीय खिलाड़ियों ने हाथ मिलाने से इनकार किया, जिससे पाकिस्तान तिलमिला गया। इस घटना के बाद पाकिस्तान ने टूर्नामेंट से हटने की धमकी भी दे डाली थी और यूएई के खिलाफ अपने अगले मैच के लिए देर से स्टेडियम पहुंचा।

**वसीम ने वॉकओवर की अपील से किया इनकार** - पाकिस्तान के देर से आने के बावजूद यूएई टीम ने वॉकओवर की अपील नहीं की। इस पर वसीम ने कहा, सबसे पहले तो यह हमारी जिम्मेदारी या हमारा काम नहीं है। हम अपने खेल पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे। हम यहां खेलने आए थे और हमने वही किया। यह बयान दिखाता है कि यूएई टीम विवाद से दूरी बनाकर खेल पर ध्यान दे रही है।

**रऊफ ने भी विवाद को किया नजरअंदाज** - पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने भी इस मुद्दे पर बोर्ड को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा, देखिए, मैं दबाव महसूस नहीं कर रहा था क्योंकि ये चीजें मेरे नियंत्रण में नहीं थीं। यह बोर्ड (पीसीबी) का सिरदर्द है और वे इसे अच्छी तरह से संभाल सकते हैं।

# ये हैं टी-20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले मध्य क्रम के बल्लेबाज

### लिस्ट में सूर्यकुमार यादव भी शामिल

**ईदिल्ली (एजेंसी)।** भारत के टी20आई कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशिया कप 2025 में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर विजयी होने में टीम की मदद की। उन्होंने 47 रनों की मैच विजयी पारी खेलकर मेन इन ब्लू को 128 रनों के लक्ष्य तक पहुंचाया। हालाकि सूर्यकुमार एशिया कप से पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कुछ खास नहीं कर पाए थे लेकिन आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए उनके प्रदर्शन ने उन्हें अपनी फॉर्म वापस पाने में जरूर मदद की। 35 वर्षीय सूर्यकुमार ने इस आईपीएल सीजन में कुल 717 रन बनाए। सूर्यकुमार फिलहाल टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले गैर-ओपनर बल्लेबाज हैं। अब वह इस सूची में ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल को पछाड़ने से सिर्फ 19 रन पीछे हैं। इससे पता चलता है कि भारतीय कप्तान टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं।

### जेवलिन थ्रो-वर्ल्ड चैंपियनशिप फाइनल

# नीरज चोपड़ा बाहर, पाकिस्तान के अरशद नदीम भी मेडल से चूके

## आठवें नंबर पर नीरज तो सचिन यादव चौथे स्थान पर रहे

**टोक्यो (एजेंसी)।** टोक्यो में चल रही वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के जेवलिन थ्रो फाइनल में नीरज चोपड़ा आठवें स्थान पर चल रहे हैं। वहीं, ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट पाकिस्तान के अरशद नदीम मेडल की रेस से बाहर हो चुके हैं। एक अन्य भारतीय थ्रोअर सचिन यादव चौथे नंबर पर रहे। नीरज चोपड़ा ने पहला थ्रो 83.65 मीटर का थ्रो किया। उनका दूसरा थ्रो 84.03 मीटर का रहा और तीसरा थ्रो फाउल रहा। चौथे प्रयास में उन्होंने 82.86 मीटर का थ्रो किया। इस तरह चार राउंड के बाद उनका बेस्ट स्कोर 83.65 मीटर का रहा। नदीम ने पहला थ्रो 82.75 मीटर का थ्रो किया था। नदीम का दूसरा थ्रो फाउल रहा है। तीसरे प्रयास में 82.73 मीटर का थ्रो किया। उनका चौथा प्रयास फाउल रहा और वे 10वें नंबर पर रहते हुए मेडल की रेस से बाहर हो गए। इन दोनों से आगे सचिन यादव हैं। सचिन ने 86.27 मीटर का पहला थ्रो किया। सचिन का दूसरा थ्रो फाउल रहा। तीसरे प्रयास में उन्होंने 85.71 मीटर का थ्रो किया। उनका चौथा थ्रो 84.90 मीटर का रहा। त्रिनिदाद एंड टोबैगो के केशॉर्न वाल्कॉट अपने चौथे प्रयास में 88.16 मीटर के थ्रो के साथ टॉप पर चल रहे हैं। तीन थ्रो के बाद 11वें और 12वें नंबर पर मौजूद थ्रोअर रेस से बाहर हो चुके हैं। चौथे थ्रो के बाद नौवें और 10वें नंबर के थ्रोअर बाहर हो गए।

### पहले प्रयास में फाइनल में पहुंचे थे नीरज

एक दिन पहले क्वालिफाइंग राउंड हुआ था। इसमें 84.50 मीटर का मार्क पार करने वाले थ्रोअर को सीधा फाइनल में एंट्री मिलनी थी। नीरज ने पहले ही अटैम्प्ट में ही 84.85 मीटर के थ्रो के साथ फाइनल में जगह बना ली। अरशद को टाइम लगा। उनका पहला थ्रो 76.99 और दूसरा 74.17 मीटर का था। तीसरे थ्रो में उन्होंने 28 मीटर का थ्रो कर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। भारत के सचिन यादव ने 83.67 मीटर के बेस्ट स्कोर के साथ टॉप-12 में जगह बनाई। नीरज डिफेंडिंग वर्ल्ड चैंपियन हैं। उन्होंने 2023 में हंगरी में हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप में 88.17 मीटर थ्रो के साथ गोल्ड जीता था। वहीं, अरशद ने पेरिस ओलिंपिक में 92.97 मीटर थ्रो के साथ गोल्ड जीता था। तब नीरज ने सिल्वर जीता था।

# जैस्मिन बोलीं-10 साल की प्रैक्टिस से वर्ल्ड चैंपियन बनीं

### ओलिंपिक में गोल्ड मेडल का सपना; दुबला शरीर देख लोग बोलते थे तुम बॉक्सर हो

**भिवानी (एजेंसी)।** वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 के 57 किलोग्राम भारवर्ग में गोल्ड मेडल जीतने वाली हरियाणा के भिवानी की रहने वाली जैस्मिन लंबोरिया ने मीडिया से कहा मैंने पोलैंड की ओलिंपिक में सिल्वर मेडलिस्ट बॉक्सर को हराया तो मेरे लिए एक भावुक पल था। मैं बिना प्रेशर के रिंग में उतरी और जीत हासिल की। जैस्मिन ने बताया कि जब वह शुरुआत में बॉक्सिंग करती थी, तो उनका शरीर दुबला-पतला था। इसलिए लोग उसके शरीर को देखकर कहते थे कि तू भी बॉक्सर है। लेकिन उन्होंने इस तरह की बातों को अपने खेल में रोड़ा नहीं बनने दिया। करीब 9-10 साल के अभ्यास के बाद वे वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर लाई हैं। इसके अलावा, उनका सपना ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीतना है।

**पोलैंड की जूलिया स्जेरेमेटा को 4-1 से हराया** - इंग्लैंड के लिवरपुल में आयोजित वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में जैस्मिन लंबोरिया ने 57 किलोग्राम भारवर्ग में खेलते हुए फाइनल मुकाबले में पोलैंड की जूलिया स्जेरेमेटा को 4-1 से हराया। इससे पहले भी बॉक्सर जैस्मिन लंबोरिया ने कई अंतर्राष्ट्रीय खेलों में पदक जीते हैं। 57 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाली जैस्मिन ने पेरिस 2024 ओलिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

# सिंधु ने चाइना मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

- **थाईलैंड की पोर्नपावी को हराया, हॉन्गकॉन्ग ओपन में पहले राउंड में बाहर हो गई थीं**

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** पीवी सिंधु ने गुरुवार को चाइना मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। उन्होंने थाईलैंड की छठी सीड खिलाड़ी पोर्नपावी चोचुवोंग को सीधे गेम में 21-15, 21-15 से हराया। यह मुकाबला मात्र 41 मिनट तक चला। दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट सिंधु वर्तमान में वर्ल्ड रैंकिंग में 14वें स्थान पर हैं। इस जीत के साथ चोचुवोंग के खिलाफ अपने हेड-टु-हेड रिकॉर्ड को 6-5 कर लिया। क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला टॉप सीड कोरिया की एन से यंग और डेनमार्क की मिया ब्लिकफेल्ट के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा।

**हॉन्गकॉन्ग ओपन में पहले राउंड में हो गई थीं बाहर** - सिंधु हॉन्गकॉन्ग ओपन के पहले दौर में हार कर बाहर हो गई थीं। उन्होंने चाइन मास्टर्स में जीतने के बाद कहा, चोचुवोंग एक टॉप खिलाड़ी हैं। मैंने उनके खिलाफ इंडोनेशिया ओपन में भी खेला था, तब भी मुकाबला कड़ा था। पहला गेम जीतने के बाद मैं दूसरे गेम में और सतर्क थी। सिंधु ने आगे कहा, स्कोर बराबर चल रहा था, इसलिए हर अंक के लिए करीबी टक्कर थी। मैं खुश हूं कि मैं जीती और मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। अब मुझे कल के लिए तैयारी करनी है। सीधे गेम में जीत हमेशा आत्मविश्वास देती है, लेकिन लंबे मैचों के लिए भी तैयार रहना जरूरी है और पैरों की गति को तेज रखना महत्वपूर्ण है।

**सिंधु इंडोनेशियाई कोच से ट्रेनिंग ले रही हैं** - वर्तमान में सिंधु इंडोनेशिया के पूर्व पुरुष एकल कोच इरवानसाह आदि प्रतामा के साथ प्रशिक्षण ले रही हैं,जो अब भारतीय महिला एकल कोच हैं। इस सहयोग के बारे में उन्होंने कहा,हमारा तालमेल बहुत अच्छा है। वह एक बेहतरीन कोच हैं। शुरू में हमें समय लगा, लेकिन अब हमने समझ लिया कि क्या करना है और क्या बदलाव चाहिए। एक कोच के रूप में वह अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहे हैं, और एक खिलाड़ी के रूप में मेरा भी कर्तव्य है कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दूं।

# पाकिस्तान नहीं खेलता तो उसे 140 करोड़ का नुकसान होता

### एशिया कप में पाक के यूटर्न की इनसाइड स्टोरी, रेफरी की माफी पर सवाल

**यूएई (एजेंसी)।** पाकिस्तान क्रिकेट टीम एशिया कप से हटती तो टीम को करीब 140 करोड़ का नुकसान उठाना पड़ता। एशिया कप में बुधवार को पाकिस्तान-यूएई मैच एक घंटे की देरी से शुरू हुआ। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि हैंडशेक विवाद से नाराज पाक टीम एशिया कप से बायकॉट करेगी। हालांकि, टीम बाद में खेलने के लिए राजी हो गई और पीसीबी ने दावा किया कि रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने माफी मागी, फिर पाकिस्तान टीम खेलने के लिए राजी हुई। लेकिन, अब तक आईसीसी या पाइक्रॉफ्ट की तरफ से इस पर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। इसके बाद पीसीबी के माफी वाले बाद पर सवाल उठ रहे हैं।

**यह था विवाद** - 14 सितंबर को पाकिस्तान का सामना भारत से हुआ था। भारतीय खिलाड़ियों ने पहलगाम हमले के विरोध में पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। पीसीबी ने भारतीय खिलाड़ियों के व्यवहार को खेल भावना के विपरीत बताया था और पाइक्रॉफ्ट पर ठीक से काम न करने का आरोप लगाया था। बोर्ड ने आईसीसी के सामने मैच रेफरी को टूर्नामेंट से बाहर करने की डिमांड रखी थी। आईसीसी ने इस मांग को खारिज कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट ने मंगलवार रात अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस रद्द कर दी। इससे पाकिस्तान के टूर्नामेंट से हटने की चर्चाओं को और हवा मिलने लगी।

**करीब 140 करोड़ का नुकसान होता** - एशियाई क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) की सालाना कमाई का 75 प्रतिशत हिस्सा पांच टेस्ट खेलने वाले देशों भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में बराबर-बराबर बांटा जाता है। यानी हर देश को 15 प्रतिशत राजस्व मिलता है। बाकी 25 प्रतिशत सहयोगी सदस्य देशों के बीच बांटा जाता है। ये कमाई ब्रॉडकास्ट राइट (टीवी और डिजिटल), स्पॉन्सर और टिकट बिक्री जैसे अलग-अलग सोर्स से आती है। अकेले इस एशिया कप से पीसीबी को करीब 12 से 16 मिलियन अमेरिकी डॉलर (140 करोड़ रुपए) की कमाई होने वाली थी। ऐसे में अगर पाकिस्तान टूर्नामेंट से हटता है तो उसके लिए यह बड़ा आर्थिक झटका साबित हो सकता है। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया ने 2024 से 2031 तक आठ साल के लिए एसीसी के साथ 170 मिलियन अमेरिकी डॉलर का ब्रॉडकास्ट राइट हासिल किया है।

# पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर रमीज राजा ने एंडी पाइक्रॉफ्ट पर बोला हमला, भारत पर भी लगाए आरोप

**दुबई (एजेंसी)।** पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष रमिज राजा ने मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट पर तीखा हमला बोला और भारत पर आरोप लगाते हुए उन्हें पसंदीदा बताया। पाइक्रॉफ्ट रविवार को दुबई में भारत-पाकिस्तान मुकाबले के बाद से ही चर्चा में हैं जिसमें भारत ने 7 विकेट से जीत हासिल की थी। मैच के बाद भारतीय टीम के पाकिस्तानी टीम के हाथ नहीं मिलाया और [illegible]ने आरोप लगाया कि पाइक्रॉफ्ट ने मैच के दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और उनके समकक्ष सलमान आगा को हाथ मिलाने से मना किया था। उन्होंने टूर्नामेंट के बाकी मैचों से उन्हें बाहर करने की मांग करते हुए विरोध भी दर्ज कराया जिसे आईसीसी ने अस्वीकार कर दिया। बुधवार को यूएई बनाम पाकिस्तान मैच में नया विवाद खड़ा हो गया जिसके कारण मैच में एक घंटे की देरी हुई। पाकिस्तानी टीम को होटल से बाहर न जाने के लिए कहा गया, क्योंकि पाइक्रॉफ्ट को हटाने की बार-बार मांग की थी। रमीज ने पाइक्रॉफ्ट पर सीधा हमला बोलते हुए उन्हें भारतीय टीम का पसंदीदा बताया। रमिज ने कहा, दिलचस्प बात यह है कि एंडी पाइक्रॉफ्ट (भारतीयों के लिए) पसंदीदा हैं। जब भी मैं टॉस की मेजबानी करता हूं, वह हमेशा वहां नियमित रूप से मौजूद रहते हैं।

### 3 प्लेयर्स का कटेगा पत्ता!

# इस फिनिशर की होगी वापसी; ऐसी हो सकती भारत की प्लेइंग 11

### एशिया कप में सुपर-4 की दो टीमें फाइनल

एशिया कप में बुधवार को पाकिस्तान ने यूएई को हरा दिया। इसी के साथ यह भी तय हो गया कि टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान एक बार फिर 21 सितंबर को एक-दूसरे का सामना करेंगे। ग्रुप स्टेज में भारत ने पाकिस्तान को आसानी से 7 विकेट से हरा दिया था।

### भारत-पाकिस्तान मैच फिर एक बार क्यों

पाकिस्तान ने यूएई को हराकर ग्रुप-ए से भारत के साथ सुपर-4 स्टेज में जगह बना ली। सुपर-4 में अब बाकी 2 टीमें ग्रुप-बी से आएंगी। इस राउंड में हर टीम एक-दूसरे के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगी। इस कारण भारत और पाकिस्तान के बीच एक और मुकाबला तय हो गया है।

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** एशिया कप 2025 में अब सुपर-4 की तस्वीर काफी हद तक साफ होती नजर आ रही है। ग्रुप ए से भारत और पाकिस्तान ने सुपर-4 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। ऐसे में दोनों टीम अब रविवार को फिर आमने-सामने होंगी। इस बीच भारतीय टीम अपने आखिरी ग्रुप मैच में ओमान का सामना करेगी। शुक्रवार को शेख जायद स्टेडियम में होने वाले इस मैच की जीत या हार का भारत पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। हालांकि, ओमान की कोशिश जीत का खाता खोलने पर होगी। वहीं भारतीय टीम अपनी बेंच स्ट्रैंथ को आजमा सकती है।

### भारतीय टीम ने जीते दोनों मुकाबले

भारत और ओमान ने टूर्नामेंट में अब तक 2-2 मैच खेले हैं। भारतीय टीम ने यूएई और पाकिस्तान को शिकस्त दी थी। वहीं ओमान को पाकिस्तान और यूएई के हाथों हार मिली। अब तक विजयी रथ पर सवार भारतीय टीम ओमान के खिलाफ प्लेइंग 11 में 3 बदलाव कर सकती है। इससे सुपर-4 और फाइनल के लिए प्लेयर तरोताजा रहेंगे।

### 7 दिन के भीतर खेल सकते 4 मैच

सुपर-4 में भारत के मुकाबले 21, 24 और 26 सितंबर को होंगे। अगर टीम फाइनल में पहुंचती है तो 28 सितंबर को भी खेलना होगा। भारत को सात दिनों के भीतर 4 मैच खेलने पड़ सकते हैं। ऐसे में टीम मैनेजमेंट कुछ प्लेयर्स को आराम दे सकता है। इनमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, ऑलराउंडर शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या हो सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो पिछले 2 मुकाबलों से पानी पिला रहे तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की अंतिम 11 में एंट्री होगी। साथ ही शिवम दुबे की जगह फिनिशर रिंकू सिंह और हार्दिक पांड्या की जगह हर्षित राणा को मौका मिला सकता है।

### भारत की संभावित प्लेइंग 11

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती।

भारतीय टीम इस प्रकार है

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह।